Resource: अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Questions has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

JER

यिर्मयाह 1:1, यिर्मयाह 1:2, यिर्मयाह 1:5, यिर्मयाह 1:6, यिर्मयाह 1:7, यिर्मयाह 1:8, यिर्मयाह 1:9, यिर्मयाह 1:11, यिर्मयाह 1:12, यिर्मयाह 1:14, यिर्मयाह 1:15, यिर्मयाह 1:16, यिर्मयाह 1:19, यिर्मयाह 2:2, यिर्मयाह 2:3, यिर्मयाह 2:4–5, यिर्मयाह 2:7, यिर्मयाह 2:8, यिर्मयाह 2:11, यिर्मयाह 2:13, यिर्मयाह 2:15, यिर्मयाह 2:15 (#2), यिर्मयाह 2:20, यिर्मयाह 2:23–24, यिर्मयाह 2:26–28, यिर्मयाह 2:29, यिर्मयाह 2:30, यिर्मयाह 2:34, यिर्मयाह 2:35, यिर्मयाह 3:1, यिर्मयाह 3:3–5, यिर्मयाह 3:6, यिर्मयाह 3:8, यिर्मयाह 3:8–10, यिर्मयाह 3:12, यिर्मयाह 3:13, यिर्मयाह 3:15, यिर्मयाह 3:16, यिर्मयाह 3:17, यिर्मयाह 3:18, यिर्मयाह 3:19, यिर्मयाह 3:21, यिर्मयाह 3:24, यिर्मयाह 3:25, यिर्मयाह 4:1, यिर्मयाह 4:4–6, यिर्मयाह 4:7, यिर्मयाह 4:8, यिर्मयाह 4:9, यिर्मयाह 4:14, यिर्मयाह 4:16, यिर्मयाह 4:19, यिर्मयाह 4:22, यिर्मयाह 4:26, यिर्मयाह 4:29, यिर्मयाह 4:30, यिर्मयाह 4:31, यिर्मयाह 5:1, यिर्मयाह 5:3, यिर्मयाह 5:4, यिर्मयाह 5:5, यिर्मयाह 5:6, यिर्मयाह 5:12, यिर्मयाह 5:15, यिर्मयाह 5:17, यिर्मयाह 5:19, यिर्मयाह 5:21, यिर्मयाह 5:23, यिर्मयाह 5:27–28, यिर्मयाह 5:29, यिर्मयाह 5:31, यिर्मयाह 6:2, यिर्मयाह 6:4–5, यिर्मयाह 6:6, यिर्मयाह 6:8, यिर्मयाह 6:9, यिर्मयाह 6:12, यिर्मयाह 6:15, यिर्मयाह 6:19, यिर्मयाह 6:20, यिर्मयाह 6:21, यिर्मयाह 6:22, यिर्मयाह 6:26, यिर्मयाह 6:27, यिर्मयाह 6:28, यिर्मयाह 7:3–4, यिर्मयाह 7:5–7, यिर्मयाह 7:5–7 (#2), यिर्मयाह 7:10, यिर्मयाह 7:12–14, यिर्मयाह 7:16, यिर्मयाह 7:18, यिर्मयाह 7:23, यिर्मयाह 7:26, यिर्मयाह 7:28, यिर्मयाह 7:29, यिर्मयाह 7:31, यिर्मयाह 7:33, यिर्मयाह 7:34, यिर्मयाह 8:1, यिर्मयाह 8:3, यिर्मयाह 8:4, यिर्मयाह 8:6, यिर्मयाह 8:7, यिर्मयाह 8:8, यिर्मयाह 8:10, यिर्मयाह 8:12, यिर्मयाह 8:13, यिर्मयाह 8:14, यिर्मयाह 8:16, यिर्मयाह 8:17, यिर्मयाह 8:18, यिर्मयाह 8:19, यिर्मयाह 9:1, यिर्मयाह 9:1 (#2), यिर्मयाह 9:2, यिर्मयाह 9:3, यिर्मयाह 9:4, यिर्मयाह 9:5, यिर्मयाह 9:8, यिर्मयाह 9:10, यिर्मयाह 9:11, यिर्मयाह 9:12, यिर्मयाह 9:13, यिर्मयाह 9:16, यिर्मयाह 9:17–18, यिर्मयाह 9:19, यिर्मयाह 9:20, यिर्मयाह 9:21, यिर्मयाह 9:22, यिर्मयाह 9:23, यिर्मयाह 9:24, यिर्मयाह 9:26, यिर्मयाह 10:1–2, यिर्मयाह 10:3, यिर्मयाह 10:5, यिर्मयाह 10:5 (#2), यिर्मयाह 10:6, यिर्मयाह 10:11, यिर्मयाह 10:12, यिर्मयाह 10:14–15, यिर्मयाह 10:17, यिर्मयाह 10:20, यिर्मयाह 10:21, यिर्मयाह 10:22, यिर्मयाह 10:24, यिर्मयाह 10:25, यिर्मयाह 10:25 (#2), यिर्मयाह 11:1, यिर्मयाह 11:3, यिर्मयाह 11:4, यिर्मयाह 11:4 (#2), यिर्मयाह 11:5, यिर्मयाह 11:7–8, यिर्मयाह 11:10, यिर्मयाह 11:11, यिर्मयाह 11:13, यिर्मयाह 11:14, यिर्मयाह 11:15, यिर्मयाह 11:17, यिर्मयाह 11:20, यिर्मयाह 11:21, यिर्मयाह 11:22, यिर्मयाह 12:1–2, यिर्मयाह 12:3, यिर्मयाह 12:4, यिर्मयाह 12:6, यिर्मयाह 12:7, यिर्मयाह 12:10–11, यिर्मयाह 12:12, यिर्मयाह 12:13, यिर्मयाह 12:15, यिर्मयाह 12:16, यिर्मयाह 12:17, यिर्मयाह 13:1–4, यिर्मयाह 13:7, यिर्मयाह 13:10, यिर्मयाह 13:11, यिर्मयाह 13:14, यिर्मयाह 13:14 (#2), यिर्मयाह 13:16, यिर्मयाह 13:18, यिर्मयाह 13:21, यिर्मयाह 13:22, यिर्मयाह 13:27, यिर्मयाह 14:3, यिर्मयाह 14:4–6, यिर्मयाह 14:8, यिर्मयाह 14:11, यिर्मयाह 14:14, यिर्मयाह 14:16, यिर्मयाह 14:18, यिर्मयाह 14:18 (#2), यिर्मयाह 14:20, यिर्मयाह 14:22, यिर्मयाह 15:1, यिर्मयाह 15:2, यिर्मयाह 15:3, यिर्मयाह 15:5, यिर्मयाह 15:6, यिर्मयाह 15:9, यिर्मयाह 15:11, यिर्मयाह 15:13, यिर्मयाह 15:16, यिर्मयाह 15:19, यिर्मयाह 15:21, यिर्मयाह 16:2, यिर्मयाह 16:3–4, यिर्मयाह 16:4, यिर्मयाह 16:5–6, यिर्मयाह 16:9, यिर्मयाह 16:10, यिर्मयाह 16:12, यिर्मयाह 16:18, यिर्मयाह 16:19, यिर्मयाह 17:1, यिर्मयाह 17:2, यिर्मयाह 17:4, यिर्मयाह 17:5, यिर्मयाह 17:9, यिर्मयाह 17:13, यिर्मयाह 17:16, यिर्मयाह 17:19, यिर्मयाह 17:21, यिर्मयाह 17:25, यिर्मयाह 17:27, यिर्मयाह 18:2, यिर्मयाह 18:4, यिर्मयाह 18:8, यिर्मयाह 18:10, यिर्मयाह 18:11, यिर्मयाह 18:12, यिर्मयाह 18:15, यिर्मयाह 18:16, यिर्मयाह 18:18, यिर्मयाह 18:20, यिर्मयाह 18:21, यिर्मयाह 19:1, यिर्मयाह 19:3, यिर्मयाह 19:4, यिर्मयाह 19:5, यिर्मयाह 19:6, यिर्मयाह 19:10, यिर्मयाह 19:13, यिर्मयाह 19:14–15, यिर्मयाह 20:1–2, यिर्मयाह 20:4, यिर्मयाह 20:5, यिर्मयाह 20:7–9, यिर्मयाह 20:8, यिर्मयाह 20:10–11, यिर्मयाह 20:12–13, यिर्मयाह 20:14, यिर्मयाह 21:1–2, यिर्मयाह 21:1–2 (#2), यिर्मयाह 21:3–5, यिर्मयाह 21:6–7, यिर्मयाह 21:8–9, यिर्मयाह 21:8–10, यिर्मयाह 21:11–12, यिर्मयाह 21:13–14, यिर्मयाह 21:13–14 (#2), यिर्मयाह 22:1–3, यिर्मयाह 22:5, यिर्मयाह 22:6–7, यिर्मयाह 22:8–9, यिर्मयाह 22:10, यिर्मयाह 22:15–16, यिर्मयाह 22:17, यिर्मयाह 22:19, यिर्मयाह 22:21, यिर्मयाह 22:22, यिर्मयाह 22:24–26, यिर्मयाह 22:30, यिर्मयाह 23:1–2, यिर्मयाह 23:3–4, यिर्मयाह 23:5–6, यिर्मयाह 23:7–8, यिर्मयाह 23:9, यिर्मयाह 23:11–12, यिर्मयाह 23:13–14, यिर्मयाह 23:15, यिर्मयाह 23:16–17, यिर्मयाह 23:19, यिर्मयाह 23:21–22, यिर्मयाह 23:23–24, यिर्मयाह 23:25–27, यिर्मयाह 23:28–29, यिर्मयाह 23:31–32, यिर्मयाह 23:33, यिर्मयाह 23:34, यिर्मयाह 23:35–36, यिर्मयाह 23:37–38, यिर्मयाह 23:39–40, यिर्मयाह 24:1–3, यिर्मयाह 24:4–5, यिर्मयाह 24:6, यिर्मयाह 24:8, यिर्मयाह 24:8–10, यिर्मयाह 25:1–2, यिर्मयाह 25:3, यिर्मयाह 25:3–4, यिर्मयाह 25:5–6, यिर्मयाह 25:7–9, यिर्मयाह 25:10–11, यिर्मयाह 25:12–14, यिर्मयाह 25:15–16, यिर्मयाह 25:17–18, यिर्मयाह 25:26, यिर्मयाह 25:27–29, यिर्मयाह 25:32–33, यिर्मयाह 25:34–36, यिर्मयाह 25:37–38, यिर्मयाह 26:1–2, यिर्मयाह 26:3, यिर्मयाह 26:4–6, यिर्मयाह 26:7–9, यिर्मयाह 26:10–12, यिर्मयाह 26:13–15, यिर्मयाह 26:16–17, यिर्मयाह 26:18, यिर्मयाह 26:20, यिर्मयाह 26:21, यिर्मयाह

26:22–23, यिर्मयाह 26:24, यिर्मयाह 27:1–2, यिर्मयाह 27:5–7, यिर्मयाह 27:8, यिर्मयाह 27:9–10, यिर्मयाह 27:11, यिर्मयाह 27:12, यिर्मयाह 27:14–15, यिर्मयाह 27:16–17, यिर्मयाह 27:19–20, यिर्मयाह 27:21–22, यिर्मयाह 28:1–2, यिर्मयाह 28:9, यिर्मयाह 28:10–11, यिर्मयाह 28:12–14, यिर्मयाह 28:15–17, यिर्मयाह 29:1, यिर्मयाह 29:7, यिर्मयाह 29:8–9, यिर्मयाह 29:10–11, यिर्मयाह 29:12–14, यिर्मयाह 29:16–17, यिर्मयाह 29:20–21, यिर्मयाह 29:22, यिर्मयाह 29:23, यिर्मयाह 29:24, यिर्मयाह 29:25, यिर्मयाह 29:26, यिर्मयाह 29:28, यिर्मयाह 29:31–32, यिर्मयाह 30:1–3, यिर्मयाह 30:4–5, यिर्मयाह 30:6–7, यिर्मयाह 30:8–9, यिर्मयाह 30:10, यिर्मयाह 30:12–13, यिर्मयाह 30:14–15, यिर्मयाह 30:16–17, यिर्मयाह 30:17, यिर्मयाह 30:17, यिर्मयाह 30:20–21, यिर्मयाह 31:1, यिर्मयाह 31:2–3, यिर्मयाह 31:4–5, यिर्मयाह 31:7, यिर्मयाह 31:8, यिर्मयाह 31:10–11, यिर्मयाह 31:12, यिर्मयाह 31:13, यिर्मयाह 31:15, यिर्मयाह 31:16–17, यिर्मयाह 31:18–20, यिर्मयाह 31:24, यिर्मयाह 31:27–28, यिर्मयाह 31:29–30, यिर्मयाह 31:30, यिर्मयाह 31:33–34, यिर्मयाह 31:35–36, यिर्मयाह 31:37, यिर्मयाह 31:38–40, यिर्मयाह 32:1–2, यिर्मयाह 32:2, यिर्मयाह 32:3–5, यिर्मयाह 32:6–7, यिर्मयाह 32:10–12, यिर्मयाह 32:13–14, यिर्मयाह 32:15, यिर्मयाह 32:16–17, यिर्मयाह 32:21, यिर्मयाह 32:23, यिर्मयाह 32:25, यिर्मयाह 32:28, यिर्मयाह 32:31–32, यिर्मयाह 32:33–35, यिर्मयाह 32:36–37, यिर्मयाह 32:38–40, यिर्मयाह 32:42, यिर्मयाह 33:1–3, यिर्मयाह 33:4–5, यिर्मयाह 33:6–8, यिर्मयाह 33:9, यिर्मयाह 33:12–13, यिर्मयाह 33:14–16, यिर्मयाह 33:17–18, यिर्मयाह 33:20–21, यिर्मयाह 33:22, यिर्मयाह 33:23–24, यिर्मयाह 33:25–26, यिर्मयाह 34:1, यिर्मयाह 34:2–3, यिर्मयाह 34:4–5, यिर्मयाह 34:10–11, यिर्मयाह 34:12–14, यिर्मयाह 34:15–16, यिर्मयाह 34:17, यिर्मयाह 34:18–19, यिर्मयाह 34:20, यिर्मयाह 34:21–22, यिर्मयाह 35:1–2, यिर्मयाह 35:5–6, यिर्मयाह 35:6, यिर्मयाह 35:7, यिर्मयाह 35:8–11, यिर्मयाह 35:11, यिर्मयाह 35:12–14, यिर्मयाह 35:15, यिर्मयाह 35:17, यिर्मयाह 35:18–19, यिर्मयाह 36:1–3, यिर्मयाह 36:4–6, यिर्मयाह 36:7–8, यिर्मयाह 36:9–10, यिर्मयाह 36:12, यिर्मयाह 36:13–14, यिर्मयाह 36:16, यिर्मयाह 36:17–19, यिर्मयाह 36:23, यिर्मयाह 36:24, यिर्मयाह 36:25, यिर्मयाह 36:27–29, यिर्मयाह 36:30–31, यिर्मयाह 37:1, यिर्मयाह 37:1–2, यिर्मयाह 37:3, यिर्मयाह 37:5, यिर्मयाह 37:6–8, यिर्मयाह 37:7, यिर्मयाह 37:11–12, यिर्मयाह 37:13, यिर्मयाह 37:14–15, यिर्मयाह 37:16–17, यिर्मयाह 37:18–20, यिर्मयाह 37:21, यिर्मयाह 38:2, यिर्मयाह 38:2 (#2), यिर्मयाह 38:3, यिर्मयाह 38:4, यिर्मयाह 38:6, यिर्मयाह 38:7–8, यिर्मयाह 38:10, यिर्मयाह 38:15, यिर्मयाह 38:16, यिर्मयाह 38:17–18, यिर्मयाह 38:19, यिर्मयाह 38:20, यिर्मयाह 38:22–23, यिर्मयाह 38:24–26, यिर्मयाह 38:27–28, यिर्मयाह 39:1, यिर्मयाह 39:2, यिर्मयाह 39:3, यिर्मयाह 39:4, यिर्मयाह 39:5, यिर्मयाह 39:6, यिर्मयाह 39:7, यिर्मयाह 39:8, यिर्मयाह 39:9, यिर्मयाह 39:10, यिर्मयाह 39:10 (#2), यिर्मयाह 39:11–12, यिर्मयाह 39:14, यिर्मयाह 39:15–16, यिर्मयाह 39:17, यिर्मयाह 39:18, यिर्मयाह 40:1, यिर्मयाह 40:2, यरमियाह 40:2 (#2), यिर्मयाह 40:4, यिर्मयाह 40:5, यिर्मयाह 40:6, यिर्मयाह 40:7–8, यिर्मयाह 40:9, यिर्मयाह 40:10, यिर्मयाह 40:11–12, यिर्मयाह 40:13–14, यिर्मयाह 40:14, यिर्मयाह 40:15, यिर्मयाह 40:16, यिर्मयाह 41:1–3, यिर्मयाह 41:2–3, यिर्मयाह 41:4–5, यिर्मयाह 41:5, यिर्मयाह 41:6, यिर्मयाह 41:7, यिर्मयाह 41:8, यिर्मयाह 41:9, यिर्मयाह 41:10, यिर्मयाह 41:11–12, यिर्मयाह 41:13–14, यिर्मयाह 41:15, यिर्मयाह 41:17, यिर्मयाह 41:17 (#2), यिर्मयाह 41:17 (#3), यिर्मयाह 41:18, यिर्मयाह 42:1–3, यिर्मयाह 42:4, यिर्मयाह 42:5–6, यिर्मयाह 42:7, यिर्मयाह 42:11–12, यिर्मयाह 42:15–17, यिर्मयाह 42:18, यिर्मयाह 42:19, यिर्मयाह 42:20–22, यिर्मयाह 43:1, यिर्मयाह 43:3, यिर्मयाह 43:4–7, यिर्मयाह 43:8–10, यिर्मयाह 43:11, यिर्मयाह 43:12–13, यिर्मयाह 44:2–3, यिर्मयाह 44:4, यिर्मयाह 44:5, यिर्मयाह 44:6, यिर्मयाह 44:7, यिर्मयाह 44:8, यिर्मयाह 44:8 (#2), यिर्मयाह 44:10, यिर्मयाह 44:11–12, यिर्मयाह 44:14, यिर्मयाह 44:17, यिर्मयाह 44:22, यिर्मयाह 44:22 (#2), यिर्मयाह 44:23, यिर्मयाह 44:25, यिर्मयाह 44:26–27, यिर्मयाह 44:28, यिर्मयाह 44:29, यिर्मयाह 44:30, यिर्मयाह 45:1–3, यिर्मयाह 45:4, यिर्मयाह 45:5, यिर्मयाह 45:5 (#2), यिर्मयाह 46:1–4, यिर्मयाह 46:2, यिर्मयाह 46:5–6, यिर्मयाह 46:7–8, यिर्मयाह 46:10, यिर्मयाह 46:11–12, यिर्मयाह 46:13–14, यिर्मयाह 46:15, यिर्मयाह 46:16–17, यिर्मयाह 46:19, यिर्मयाह 46:20–21, यिर्मयाह 46:21, यिर्मयाह 46:23–24, यिर्मयाह 46:25–26, यिर्मयाह 46:27–28, यिर्मयाह 47:1–2, यिर्मयाह 47:3–4, यिर्मयाह 47:6–7, यिर्मयाह 47:7, यिर्मयाह 48:1–2, यिर्मयाह 48:3–5, यिर्मयाह 48:7, यिर्मयाह 48:8, यिर्मयाह 48:9, यिर्मयाह 48:10, यिर्मयाह 48:11–12, यिर्मयाह 48:15–16, यिर्मयाह 48:17, यिर्मयाह 48:18–20, यिर्मयाह 48:21–25, यिर्मयाह 48:26–27, यिर्मयाह 48:28–29, यिर्मयाह 48:30–32, यिर्मयाह 48:33, यिर्मयाह 48:35, यिर्मयाह 48:36–37, यिर्मयाह 48:38–39, यिर्मयाह 48:40–41, यिर्मयाह 48:42–44, यिर्मयाह 48:45, यिर्मयाह 48:46–47, यिर्मयाह 49:1, यिर्मयाह 49:2, यिर्मयाह 49:3, यिर्मयाह 49:4, यिर्मयाह 49:5, यिर्मयाह 49:6, यिर्मयाह 49:7, यिर्मयाह 49:8, यिर्मयाह 49:8 (#2), यिर्मयाह 49:11, यिर्मयाह 49:12, यिर्मयाह 49:13, यिर्मयाह 49:14, यिर्मयाह 49:15, यिर्मयाह 49:16, यिर्मयाह 49:17–18, यिर्मयाह 49:19, यिर्मयाह 49:20, यिर्मयाह 49:21–22, यिर्मयाह 49:23–24, यिर्मयाह 49:26–27, यिर्मयाह 49:28–29, यिर्मयाह 49:30, यिर्मयाह 49:30–31, यिर्मयाह 49:32, यिर्मयाह 49:33, यिर्मयाह 49:34, यिर्मयाह 49:34–36, यिर्मयाह 49:37–38, यिर्मयाह 49:39, यिर्मयाह 50:2, यिर्मयाह 50:3, यिर्मयाह 50:4–5, यिर्मयाह 50:6, यिर्मयाह 50:7, यिर्मयाह 50:8–10, यिर्मयाह 50:11–13, यिर्मयाह 50:14–15, यिर्मयाह 50:16, यिर्मयाह 50:17–18, यिर्मयाह 50:19–20, यिर्मयाह 50:21–22, यिर्मयाह 50:23–24, यिर्मयाह 50:25–26, यिर्मयाह 50:27–28, यिर्मयाह 50:29–30, यिर्मयाह 50:31–32, यिर्मयाह 50:33–34, यिर्मयाह 50:35–37, यिर्मयाह 50:38–40, यिर्मयाह 50:41–42, यिर्मयाह 50:43, यिर्मयाह 50:44, यिर्मयाह 50:45–46, यिर्मयाह 51:1–2, यिर्मयाह 51:3–4, यिर्मयाह 51:5, यिर्मयाह 51:6, यिर्मयाह 51:7, यिर्मयाह 51:7–8, यिर्मयाह 51:9–10, यिर्मयाह 51:11, यिर्मयाह 51:13–14, यिर्मयाह 51:15, यिर्मयाह 51:15–16, यिर्मयाह

51:17–18, यिर्मयाह 51:19, यिर्मयाह 51:20, यिर्मयाह 51:24, यिर्मयाह 51:25–26, यिर्मयाह 51:27–28, यिर्मयाह 51:29, यिर्मयाह 51:30–32, यिर्मयाह 51:33, यिर्मयाह 51:34–35, यिर्मयाह 51:36–37, यिर्मयाह 51:39–40, यिर्मयाह 51:41, यिर्मयाह 51:43–44, यिर्मयाह 51:45–46, यिर्मयाह 51:48–49, यिर्मयाह 51:50, यिर्मयाह 51:51, यिर्मयाह 51:52–53, यिर्मयाह 51:54–56, यिर्मयाह 51:58, यिर्मयाह 51:59, यिर्मयाह 51:60, यिर्मयाह 51:61, यिर्मयाह 51:62, यिर्मयाह 51:63, यिर्मयाह 51:63–64, यिर्मयाह 52:1–2, यिर्मयाह 52:4–5, यिर्मयाह 52:6–8, यिर्मयाह 52:9–11, यिर्मयाह 52:12–14, यिर्मयाह 52:15–16, यिर्मयाह 52:17–19, यिर्मयाह 52:24–25, यिर्मयाह 52:26–27, यिर्मयाह 52:28–30, यिर्मयाह 52:31, यिर्मयाह 52:32–34

यिर्मयाह 1:1

यिर्मयाह ने किस प्रकार का कार्य किया?

यिर्मयाह एक याजक थे।

यिर्मयाह 1:2

जब यहोवा का वचन पहली बार यिर्मयाह के पास पहुँचा, तब राजा कौन थे?

राजा योशिय्याह के राज्य के दिनों में यहोवा का वचन यिर्मयाह के पास पहुँचा।

यिर्मयाह 1:5

यहोवा ने यिर्मयाह को भविष्यद्वक्ता के रूप में कब ठहराया?

उत्पन्न होने से पहले ही यहोवा ने यिर्मयाह को ठहराया।

यिर्मयाह 1:6

यिर्मयाह ने क्यों कहा कि वे योग्य नहीं थे?

उन्होंने कहा कि वह कम उम्र के थे।

यिर्मयाह 1:7

यहोवा ने यिर्मयाह को क्या कहने का आज्ञा दिया?

यहोवा ने उन्हें वही कहने का आज्ञा दिया जो यहोवा ने उन्हें कहने के लिए कहा था।

यिर्मयाह 1:8

यिर्मयाह को क्यों भयभीत नहीं होना चाहिए?

उन्हें भयभीत नहीं होना चाहिए क्योंकि यहोवा उनके साथ थे और उन्हें छुड़ाने वाले थे।

यिर्मयाह 1:9

यहोवा ने यिर्मयाह के मुँह में क्या डाला?

यहोवा ने अपना वचन यिर्मयाह के मुँह में डाला।

यिर्मयाह 1:11

यिर्मयाह ने क्या देखा था?

उन्होंने बादाम की एक टहनी देखी।

यिर्मयाह 1:12

यहोवा अपने वचन के साथ क्या करेंगे?

वह इसे पूर्ण करेंगे।

यिर्मयाह 1:14

यिर्मयाह ने जो बर्तन देखा, उसका क्या अर्थ था?

बर्तन आने वाली विपत्ति का प्रतीक था।

यिर्मयाह 1:15

जब यहोवा बुलाएँगे, तो उत्तरी राज्य की सभी गोत्र क्या करेंगी?

वे आएंगे और यरूशलेम तथा यहूदा के चारों ओर अपना-अपना सिंहासन लगाएँगे।

यिर्मयाह 1:16

यहोवा यरूशलेम और यहूदा के खिलाफ दण्ड की आज्ञा क्यों देंगे?

वह उनके खिलाफ दण्ड की आज्ञा इसलिए देंगे क्योंकि उन्होंने उन्हें त्याग दिया है।

यिर्मयाह 1:19

यिर्मयाह के बोलने के बाद लोग क्या करेंगे?

लोग उनके विरुद्ध लड़ेंगे।

यिर्मयाह 2:2

यहोवा यरूशलेम के लोगों के बारे में क्या स्मरण करते हैं?

यहोवा स्मरण करते हैं कि यरूशलेम के लोग अतीत में उनसे प्रेम करते थे।

यिर्मयाह 2:3

इस्राएल के लोगों का भविष्य क्या होगा?

विपत्ति उन पर आ पड़ेंगे।

यिर्मयाह 2:4–5

यहोवा चाहते हैं कि याकूब का घराना उन्हें क्या बताए?

यहोवा चाहते हैं कि याकूब का घराना उन्हें बताए कि उन्होंने उनमें कौन सी कुटिलता पाई।

यिर्मयाह 2:7

जब परमेश्वर ने लोगों को कर्मेल की भूमि पर लाया, तब उन्होंने क्या किया?

उन्होंने भूमि को अशुद्ध कर दिया।

यिर्मयाह 2:8

भविष्यद्वक्ताओं ने किसके नाम से भविष्यद्वाणी की?

भविष्यद्वक्ताओं ने बाल देवता के नाम से भविष्यद्वाणी की।

यिर्मयाह 2:11

यहोवा के प्रजा ने अपनी महिमा के बदले क्या स्वीकार किया है?

यहोवा के प्रजा ने अपनी महिमा को निकम्मी वस्तु से बदल दिया है।

यिर्मयाह 2:13

यहोवा के लोगों ने कौन-कौन से दो बुरे काम किए हैं?

उनके लोगों ने जीवन के जल के सोते को त्याग दिया है और हौद बना लिए हैं।

यिर्मयाह 2:15

इस्राएल के शत्रुओं ने इस्राएल के साथ क्या किया?

उन्होंने इस्राएलियों को दास बना लिया।

यिर्मयाह 2:15 (#2)

इस्राएल के नगरों का क्या हुआ?

उनके नगरों को ऐसा उजाड़ दिया कि उनमें कोई बसनेवाला ही न रहा।

यिर्मयाह 2:20

यहोवा ने जब उनका जूआ तोड़ा और उनके बन्धन खोल दिए, तब लोगों ने क्या कहा?

उन्होंने कहा, 'मैं सेवा न करूँगी।'

यिर्मयाह 2:23–24

यहोवा कहते हैं कि लोग किस पशु के समान हैं?

वे कहते हैं कि वे ऊँटनी और जंगली गदही के समान हैं।

यिर्मयाह 2:26–28

इस्राएल का घराना किस पाप से लज्जित होगा?

वे काठ और पत्थरों की पूजा करने में लज्जित होंगे।

यिर्मयाह 2:29

यहोवा की वाणी क्या है?

तुम सभी ने मुझसे बलवा किया है।

यिर्मयाह 2:30

यहोवा क्यों कहते हैं कि उन्होंने लोगों को व्यर्थ ताड़ना दिया है?

उन्होंने उन्हें ताड़ना दिया है क्योंकि वे कुछ भी नहीं मानते हैं।

यिर्मयाह 2:34

लोगों ने निर्दोष और दरिद्र के साथ क्या किया है?

उन्होंने निर्दोषों और दरिद्रों को मार डाला है।

यिर्मयाह 2:35

लोग क्यों सोचते हैं कि यहोवा का क्रोध उनसे दूर हट जाएगा?

लोग सोचते हैं कि उन्होंने कोई पाप नहीं किया है।

यिर्मयाह 3:1

भविष्यद्वक्ता लोगों की तुलना किस प्रकार की स्त्री से करते हैं?

वह उनकी तुलना उस महिला से करते हैं जिसने अपने पति को त्याग दिया है।

यिर्मयाह 3:3–5

वर्षा क्यों नहीं आई?

वर्षा नहीं आई क्योंकि लोग अपने पापों पर लज्जित होना ही नहीं चाहते थे।

यिर्मयाह 3:6

इस्राएल ने ऊँचे पहाड़ों पर और सब हरे पेड़ों के तले क्या किया था?

इस्राएल ने मूर्तियों की पूजा करके एक व्यभिचारिणी स्त्री के समान व्यभिचार किया है।

यिर्मयाह 3:8

परमेश्वर ने इस्राएल के साथ क्या किया था?

उन्होंने उन्हें त्यागपत्र दे दिया।

यिर्मयाह 3:8–10

यहोवा द्वारा इस्राएल को त्यागपत्र देने के बाद यहूदा ने क्या किया?

यहूदा ने वही कार्य किए जो इस्राएल ने किए थे।

यिर्मयाह 3:12

यहोवा इस्राएल को क्या करने के लिए बुलाते हैं?

वह उन्हें लौट आने के लिए बुलाते हैं।

यिर्मयाह 3:13

जब लोग वापस लौटें, तो उन्हें क्या करना चाहिए?

उन्हें अपने अधर्म को मान लेना चाहिए।

यिर्मयाह 3:15

यदि वे लौटते हैं तो यहोवा उन्हें क्या प्रदान करेंगे?

वह उन्हें अपने मन के अनुकूल एक चरवाहा प्रदान करेंगे।

यिर्मयाह 3:16

वे वाचा के सन्दूक के विषय में क्या विचार करेंगे?

वे अब इस विषय पर उनके मन में विचार नहीं करेंगे।

यिर्मयाह 3:17

यरूशलेम में क्या घटित होगा?

सब जातियाँ यरूशलेम में इकट्ठे होंगे।

यिर्मयाह 3:18

क्या यहूदा और इस्राएल के घराने अब भी शत्रु बने रहेंगे?

नहीं, वे दोनों मिलकर आएंगे।

यिर्मयाह 3:19

यहोवा लोगों का सम्मान कैसे करना चाहते हैं?

वह उन्हें उसी तरह आदर देना चाहते हैं जैसे एक पिता अपने पुत्र का सम्मान करता है।

यिर्मयाह 3:21

मुँण्ड़े टीलों पर कौन सी शब्द सुनाई दे रहा है?

मुँण्ड़े टीलों पर से इस्राएलियों के रोने और गिड़गिड़ाने का शब्द सुनाई दे रहा है।

यिर्मयाह 3:24

पुरखाओं ने जिन चीजों के लिए परिश्रम किया, उनका क्या हुआ?

मूर्तियों ने उन वस्तुओं का उपभोग किया है जिनके लिए पुरखाओं ने परिश्रम किया था।

यिर्मयाह 3:25

लोगों और उनके पुरखाओं ने क्या किया है?

उन्होंने अपने परमेश्वर यहोवा की बातों को नहीं माना है।

यिर्मयाह 4:1

यदि इस्राएल यहोवा के पास लौटते हैं तो क्या होगा?

जातियाँ यहोवा की आशीष मांगेंगे।

यिर्मयाह 4:4-6

लोगों की बुरे कामों के कारण क्या परिणाम होंगे?

यहोवा का क्रोध उन पर भड़केगा और उत्तर की दिशा से विपत्ति लाएंगे।

यिर्मयाह 4:7

सिंह लोगों के साथ क्या करेगा?

वह उनके नगरों को सुनसान कर देगा।

यिर्मयाह 4:8

लोग स्वयं को टाट में क्यों बाँधेंगे?

वे ऐसा इसलिए करते थे ताकि यह दिखा सकें कि उन्हें अपने पापों के लिए पश्चाताप है।

यिर्मयाह 4:9

यिर्मयाह क्यों सोचते हैं कि यहोवा ने लोगों को भ्रमित किया है?

यहोवा ने लोगों से शांति का वादा किया है, लेकिन कोई उन पर आक्रमण कर रहा है।

यिर्मयाह 4:14

यरूशलेम के लोग कैसे उद्धार प्राप्त कर सकते हैं?

उन्हें अपना हृदय बुराई से धोना चाहिए।

यिर्मयाह 4:16

आक्रमणकारी दूर देश से क्यों आ रहे हैं?

वे आ रहे हैं क्योंकि यहूदा ने यहोवा के विरुद्ध बलवा किया है।

यिर्मयाह 4:19

यिर्मयाह दुखी क्यों हैं?

वे युद्ध की ललकार सुनते हैं।

यिर्मयाह 4:22

लोगों की मूर्खता क्या है?

वे यहोवा को नहीं जानते हैं।

यिर्मयाह 4:26

यिर्मयाह ने जो देश देखी थी, वह खण्डहर क्यों थी?

यहोवा के भड़के हुए प्रकोप के कारण देश खण्डहर थी।

यिर्मयाह 4:29

हर नगर के सारे लोग क्या करेंगे?

वे सवारों और धनुर्धारियों से बचकर भागे जाते हैं और नगर को निर्जन छोड़ देंगे।

यिर्मयाह 4:30

लाल और सोने के आभूषण किस प्रकार के लोग पहनते हैं?

धनवान लोग इस प्रकार के वस्त्र पहनते हैं।

यिर्मयाह 4:31

जो अब धनी हैं, उनके साथ क्या होगा?

उनकी हत्या कर दी जाएगी।

यिर्मयाह 5:1

परमेश्वर यरूशलेम को कब क्षमा करेंगे?

यदि भविष्यद्वक्ता कोई ऐसा व्यक्ति ढूंढ सकें जो न्याय से काम करे और सच्चाई का खोजी हो, तो परमेश्वर यरूशलेम को क्षमा करेंगे।

यिर्मयाह 5:3

यद्यपि परमेश्वर ने लोगों को पूरी तरह से पराजित कर दिया है, वे अब भी क्या करते हैं?

वे अभी भी पश्चाताप करने से इन्कार कर रहे हैं।

यिर्मयाह 5:4

भविष्यद्वक्ता क्यों कहते हैं कि ये कंगाल और मूर्ख ही हैं?

वे यहोवा का मार्ग और अपने परमेश्वर का नियम नहीं जानते।

यिर्मयाह 5:5

क्या बड़े लोग यहोवा के मार्गों को जानते हैं?

नहीं, उन्होंने उनके खिलाफ बलवा किया है।

यिर्मयाह 5:6

यिर्मयाह ने लोगों के अपराधों और विश्वासघात के बारे में क्या कहा?

यिर्मयाह ने कहा कि उनके अपराध बढ़ते जा रहे थे और उनकी विश्वासघात की क्रियाएं असीमित थीं।

यिर्मयाह 5:12

लोग परमेश्वर के बारे में क्या कहते हैं?

उन्होंने कहा है कि वह वास्तविक नहीं हैं।

यिर्मयाह 5:15

यहोवा इस्राएल के घराने के साथ क्या करने वाले हैं?

वह उनके विरुद्ध दूर देश से एक जाति को लाने वाले हैं।

यिर्मयाह 5:17

दुश्मन इस्राएलियों के साथ क्या करेंगे?

दुश्मन इस्राएलियों के बेटे-बेटियों को मार डालेंगे और उनके भोजनवस्तुएँ खा लेंगे।

यिर्मयाह 5:19

परमेश्वर इस्राएल और यहूदा को क्यों हानि पहुँचाएंगे?

वह उन्हें हानि पहुँचाएंगे क्योंकि उन्होंने यहोवा को त्याग दिया और दूसरे देवताओं की सेवा की है।

यिर्मयाह 5:21

मूर्ख लोगों की आँखें और कान क्या करते हैं?

वे कुछ भी नहीं करते हैं।

यिर्मयाह 5:23

यहोवा उन लोगों के लिए क्या करना चाहते हैं जो उनसे भय रखते हैं?

वह चाहते हैं कि वर्षा सही समय पर आए ताकि फसल अच्छी हो सके।

यिर्मयाह 5:27–28

क्या यहोवा के लोगों में धनी दुष्ट हैं या कंगाल?

वे धनी हैं।

यिर्मयाह 5:29

यहोवा दुष्टों के साथ कैसा व्यवहार करेंगे?

वह उन्हें दण्ड देंगे।

यिर्मयाह 5:31

प्रजा भविष्यद्वक्ताओं और याजकों के कार्यों के प्रति क्या अनुभव करते हैं?

प्रजा को यह भाता है।

यिर्मयाह 6:2

बिन्यामीन के लोगों को यरूशलेम छोड़कर सुरक्षा क्यों तलाशनी चाहिए?

यहोवा यरूशलेम का नाश करेंगे।

यिर्मयाह 6:4–5

दुश्मन कब चढ़ाई करेंगे?

वे दोपहर और रात में चढ़ाई करेंगे।

यिर्मयाह 6:6

यहोवा क्यों चाहते हैं कि दुश्मन यरूशलेम पर चढ़ाई करें?

वह चाहते हैं कि वे चढ़ाई करें क्योंकि नगर अत्याचार और दुष्टता से भरा हुआ है।

यिर्मयाह 6:8

यदि यरूशलेम अनुशासन को स्वीकार नहीं करता है तो क्या परिणाम होंगे?

यहोवा यरूशलेम का नाश करेंगे।

यिर्मयाह 6:9

यहोवा इस्राएलियों को चेतावनी क्यों नहीं दे सकते?

वे ध्यान देने में सक्षम नहीं हैं।

यिर्मयाह 6:12

घर और खेत और स्त्रियों का क्या होगा?

घर और खेत और स्त्रियाँ सब दूसरों की हो जाएँगीं।

यिर्मयाह 6:15

जब लोगों ने घृणित काम किए, तो उन्हें कैसा महसूस हुआ?

उन्हें बिल्कुल भी लज्जा नहीं थी।

यिर्मयाह 6:19

यहोवा इन लोगों पर विपत्ति क्यों लाने वाले हैं?

उन्होंने उनके वचन या उनके शिक्षा पर कोई ध्यान नहीं लगाया।

यिर्मयाह 6:20

यहोवा के लिए लोबान और सुगन्धित नरकट का क्या अर्थ है?

उनका उसके लिए कोई अर्थ नहीं है। उन्हें वह प्रसन्न नहीं करता है।

यिर्मयाह 6:21

ठोकर लोगों के लिए क्या करेगी?

यह उन्हें नाश की ओर ले जाएगा।

यिर्मयाह 6:22

किस प्रकार के लोग आ रहे हैं?

क्रूर और निर्दयी लोग आ रहे हैं।

यिर्मयाह 6:26

प्रजा को अपने लिए एक शोकमय विलाप क्यों करना चाहिए?

उन्हें यह करना चाहिए क्योंकि शत्रु उनके लोगों को नष्ट कर देंगे।

यिर्मयाह 6:27

यिर्मयाह परमेश्वर के लोगों को कैसे शुद्ध करेंगे?

वह उनके चाल परखेंगे और जान लेंगे।

यिर्मयाह 6:28

लोग कैसे हैं?

वे तांबा के समान जिद्दी हैं और लोहे के समान कठोर हैं।

यिर्मयाह 7:3–4

यदि लोग अपनी चाल और काम को सुधार लेंगे तो यहोवा उनके लिए क्या करने का वादा करते हैं?

वह उन्हें उस स्थान पर बसे रहने की अनुमति देते रहेंगे।

यिर्मयाह 7:5–7

यहोवा के आज्ञा के अनुसार लोगों को भूमि में निवास करने के लिए क्या करना चाहिए?

उन्हें अपनी-अपनी चाल और काम को न्याय का पालन करके उत्तम बनाना चाहिए।

यिर्मयाह 7:5–7 (#2)

यदि लोग चाहते हैं कि यहोवा उन्हें देश में रहने दें, तो उन्हें क्या नहीं करना चाहिए?

उन्हें परदेशी और अनाथ और विधवा पर अंधेर नहीं करना चाहिए, निर्दोष की हत्या नहीं करनी चाहिए, और दूसरे देवताओं के पीछे नहीं चलना चाहिए।

यिर्मयाह 7:10

लोग उन कामों को करने के बाद क्या कहते हैं जिनसे परमेश्वर घृणा करते हैं?

वे भवन में जाते हैं और कहते हैं कि वे छूट गए हैं।

यिर्मयाह 7:12–14

यहोवा क्यों चाहते थे कि लोग शीलो के बारे में सोचें?

वह चाहते थे कि वे याद रखें कि वह उनके साथ वही करेंगे जो उन्होंने शीलो के साथ किया था, क्योंकि वे उन्हीं बुराई के दोषी थे जिनके शीलो के लोग दोषी थे।

यिर्मयाह 7:16

यहोवा यिर्मयाह की विनती को क्यों नहीं सुनेंगे?

वह नहीं सुनेंगे क्योंकि उन्होंने इस्राएलियों को नाश करने का निर्णय लिया है।

यिर्मयाह 7:18

यहोवा लोगों का नाश क्यों करेंगे?

क्योंकि वे दूसरे देवताओं की आराधना कर रहे हैं।

यिर्मयाह 7:23

जब लोग मिस्र छोड़ रहे थे, तब यहोवा ने उन्हें क्या आज्ञा दिए?

उन्होंने उन्हें अपनी वचन सुनने का आज्ञा दिया।

यिर्मयाह 7:26

जब यहोवा ने भविष्यद्वक्ता भेजे, तो लोगों ने क्या किया?

उन्होंने न तो सुना और न ही अपना कान लगाया। उन्होंने बुराइयाँ की हैं।

यिर्मयाह 7:28

भविष्यद्वक्ता को क्या कहना चाहिए?

उन्हें उनसे कहना है कि यह वही जाति है जो अपने परमेश्वर यहोवा की नहीं सुनती।

यिर्मयाह 7:29

यहोवा यिर्मयाह से अपने बाल मुँडवाने के लिए क्यों कहते हैं?

यिर्मयाह को यह दिखाना था कि यहोवा ने इस्राएलियों को निकम्मा जानकर त्याग दिया है।

यिर्मयाह 7:31

लोगों ने हिन्नोमवंशियों की तोपेत नामक ऊँचे स्थान क्यों बनाया?

उन्होंने इसे इसलिए बनाया ताकि वे वहाँ अपने बेटे-बेटियों को आग में अर्पित कर सकें।

यिर्मयाह 7:33

इन लोगों की लोथों का क्या होगा?

आकाश के पक्षियों और पृथ्वी के पशुओं का आहार बनेंगे।

यिर्मयाह 7:34

यहोवा यहूदा के नगरों और यरूशलेम की सड़कों के साथ क्या करेंगे?

वह इसे ऐसा बना देंगे कि वहाँ न तो हर्ष और आनन्द का शब्द सुन पड़ेगा।

यिर्मयाह 8:1

लोगों की हड्डियों का क्या होगा?

लोग हड्डियों को कब्रों में से निकालकर फैला देंगे।

यिर्मयाह 8:3

क्या जो लोग जीवित हैं, वे जीवन चाहेंगे या मृत्यु को चाहेंगे?

वे जीवन से मृत्यु ही को अधिक चाहेंगे।

यिर्मयाह 8:4

जो लोग भटक जाते हैं, वे क्या प्रयास करते हैं?

वे लौटने का मार्ग खोजने का प्रयास करते हैं।

यिर्मयाह 8:6

लोग अपनी बुराई के बारे में कैसा अनुभव करते थे?

कोई भी अपनी बुराई के लिए पछताते नहीं थे।

यिर्मयाह 8:7

यहोवा के प्रजा पक्षियों के समान क्यों नहीं होते?

पक्षियों को पता होता है कि उन्हें क्या करना चाहिए, लेकिन उनके प्रजा यहोवा की नियम नहीं जानती।

यिर्मयाह 8:8

शास्त्रियों ने क्या किया है?

शास्त्रियों ने झूठा विवरण लिखकर उसको झूठ बना दिया है।

यिर्मयाह 8:10

यहोवा उनकी स्त्रियों और उनके खेत के साथ क्या करेंगे?

वह उनकी स्त्रियों और उनके खेत को दूसरे अधिकारियों के वश में कर देगा।

यिर्मयाह 8:12

क्या लोग घृणित काम करके लज्जित हुए?

नहीं, उन्हें लज्जा नहीं आई।

यिर्मयाह 8:13

वे लज्जित नहीं थे, इसलिए यहोवा क्या करेंगे?

वह उनके शत्रुओं के द्वारा उन सभी का अन्त कर देंगे।

यिर्मयाह 8:14

लोग क्या करने का निर्णय लेते हैं?

वे नगरों में जाने और नाश होने का निर्णय लेते हैं।

यिर्मयाह 8:16

यहोवा के बलवन्त घोड़े क्या करेंगे?

वे आएंगे और सारा देश, इसकी संपत्ति, नगर और इसके निवासियों का नाश करेंगे।

यिर्मयाह 8:17

यहोवा उन्हें हानि पहुँचाने के लिए क्या भेज रहे हैं?

वह उन्हें हानि पहुँचाने के लिए साँप और नाग भेज रहे हैं।

यिर्मयाह 8:18

जो लोग चिल्ला रहे हैं, वे कहाँ पर हैं?

वे एक दूर के देश में हैं।

यिर्मयाह 8:19

यहोवा कहाँ हैं?

यहोवा सिय्योन में विराजमान हैं।

यिर्मयाह 9:1

भविष्यद्वक्ता क्यों रोना चाहते हैं?

वह रोना चाहते हैं क्योंकि उनके इतने सारे लोग मारे गए हैं।

यिर्मयाह 9:1 (#2)

यहोवा इस्राएलियों को क्यों दण्ड देंगे?

वह इस्राएलियों को दण्ड देंगे क्योंकि उनका खतना केवल शरीर में हुआ है, हृदय में नहीं।

यिर्मयाह 9:2

वे अपने लोगों को क्यों छोड़ना चाहते हैं?

वह उन्हें छोड़ना चाहते हैं क्योंकि वे व्यभिचारी और विश्वासघाती हैं।

यिर्मयाह 9:3

पापी लोग क्या कहते हैं?

वे झूठ बोलते हैं।

यिर्मयाह 9:4

उन्हें अपने पड़ोसी और अपने भाई से चौकस क्यों रहना चाहिए?

उन्हें उनके खिलाफ चौकस रहना चाहिए क्योंकि हर भाई और पड़ोसी विश्वासघाती है।

यिर्मयाह 9:5

लोग किस में परिश्रम करते हैं?

वे कुटिलता ही में परिश्रम करते हैं।

यिर्मयाह 9:8

यहोवा अपने लोगों को क्यों परखना चाहते हैंहैं?

वह उन्हें परखना चाहते हैं क्योंकि वे अपने पड़ोसियों से छल की बातें बोलते हैं।

यिर्मयाह 9:10

भविष्यद्वक्ता क्या गाएंगे?

वे पहाड़ों और जंगल की चराइयों के लिए शोक और विलाप के गीत गाएंगे।

यिर्मयाह 9:11

यहोवा यरूशलेम और यहूदा के साथ क्या करेंगे?

वह उन्हें खण्डहर बना देंगे।

यिर्मयाह 9:12

देश का नाश होने के बाद वह कैसी होगी?

यह जंगल के समान होगा, और उसमें से होकर कोई नहीं गुजरेगा।

यिर्मयाह 9:13

लोगों ने यहोवा को अप्रसन्न करने के लिए क्या किया है?

उन्होंने उनके व्यवस्था को छोड़ दिया है और वे उनकी नहीं मानते।

यिर्मयाह 9:16

यहोवा कहते हैं कि वे इस्राएलियों के साथ क्या करेंगे?

वह उन्हें उतना ही दुखी कर देंगे जितना कि वे लोग होते हैं जिनके पास खाने और पीने के लिए केवल कड़वी वस्तु होती हैं। फिर वह उन्हें उनके घरों से तितर-बितर कर देंगे और उन्हें मरवा देंगे।

यिर्मयाह 9:17–18

जो स्त्रियाँ विलाप करने में कुशल हैं, उन्हें क्या करना चाहिए?

उन्हें शोक का गीत गाने चाहिए ताकि लोग अपनी आँसू बहा सकें।

यिर्मयाह 9:19

सिय्योन में शोक करने वाले लोग कैसा अनुभव करते हैं?

वे लज्जा में पड़ गए हैं।

यिर्मयाह 9:20

स्त्रियों को अपनी-अपनी बेटियों को क्या सिखाना चाहिए?

उन्हें अपनी-अपनी बेटियों को शोक का गीत सिखाने चाहिए।

यिर्मयाह 9:21

भविष्यद्वक्ता ने किसके मरने की बात कही है?

बच्चे और जवान मरने वाले हैं।

यिर्मयाह 9:22

लोथें खाद और पुलियों के समान क्यों होंगी?

उन्हें उठानेवाला कोई नहीं होगा।

यिर्मयाह 9:23

लोगों को किस बात पर घमण्ड करना चाहिए?

लोगों को इस बात पर घमण्ड होना चाहिए कि वे यहोवा को जानते हैं।

यिर्मयाह 9:24

यहोवा कहते हैं कि वे किसके साथ काम करते हैं?

वह करुणा, न्याय और धार्मिकता के काम करते हैं।

यिर्मयाह 9:26

यहोवा अन्य लोगों को क्यों दंड देंगे?

वह उन्हें दंडित करेंगे क्योंकि उनके शरीर भी खतनारहित है।

यिर्मयाह 10:1–2

यहोवा इस्राएल के घराने से क्या नहीं चाहते?

वह नहीं चाहते कि वे अन्यजातियों की चाल सीखें।

यिर्मयाह 10:3

कौन सी रीतियाँ निकम्मी हैं?

मूर्तियाँ बनाना निकम्मी हैं।

यिर्मयाह 10:5

कौन सी रीतियाँ निकम्मी है?

मूर्तियाँ बनाना निकम्मी है।

यिर्मयाह 10:5 (#2)

लोगों को मूर्तियों से क्यों नहीं डरना चाहिए?

मूर्तियाँ न तो कोई भला कर सकती हैं और न ही कोई बुरा।

यिर्मयाह 10:6

यहोवा के समान कौन हो सकता है?

यहोवा के समान कोई नहीं है।

यिर्मयाह 10:11

उन देवताओं का क्या होगा जिन्होंने पृथ्वी को नहीं बनाया?

वे नष्ट हो जाएँगे।

यिर्मयाह 10:12

सच्चे परमेश्वर ने क्या किया है?

उन्होंने जगत को अपनी बुद्धि से स्थिर किया और आकाश को अपनी प्रवीणता से तान दिया है।

यिर्मयाह 10:14–15

मूरतों और सच्चे परमेश्वर में क्या अंतर है?

मूरतों में साँस ही नहीं है, लेकिन परमेश्वर ने सभी चीजें बनाई हैं।

यिर्मयाह 10:17

घेरे हुए नगर की रहनेवाले लोगों को क्या करना चाहिए?

उन्हें अपनी गठरी भूमि पर से उठाना चाहिए।

यिर्मयाह 10:20

भविष्यद्वक्ता के तम्बू को फैलाने के लिए अब कोई क्यों नहीं है?

उन्होंने उनके बच्चों को उनसे दूर कर दिया है।

यिर्मयाह 10:21

चरवाहे समझ से रहित क्यों हो गए हैं?

वे यहोवा को नहीं पुकारते।

यिर्मयाह 10:22

जब बड़ा हुल्लड़ आएगा तो क्या होगा?

यहूदा के शहर उजाड़ बन जाएंगे।

यिर्मयाह 10:24

भविष्यद्वक्ता यहोवा से उन्हें ताड़ना देने के लिए कैसे कहते हैं?

वह यहोवा से प्रार्थना करते हैं कि वह उन्हें न्याय के साथ ताड़ना दें, क्रोध में आकर नहीं।

यिर्मयाह 10:25

भविष्यद्वक्ता यहोवा से किस पर अपनी जलजलाहट उण्डेलने के लिए प्रार्थना करते हैं?

वह यहोवा से उन जाति पर अपनी जलजलाहट उण्डेलने के लिए कहते हैं जो उन्हें नहीं जानते।

यिर्मयाह 10:25 (#2)

उन्हें यहोवा का जलजलाहट क्यों सहना चाहिए?

उन्हें यहोवा का जलजलाहट सहना पड़ेगा क्योंकि उन्होंने याकूब और याकूब के निवास-स्थान को उजाड़ दिया है।

यिर्मयाह 11:1

यहोवा ने यिर्मयाह से यह वाचा का यह वचन किसे सुनाने के लिए कहा था?

यहोवा ने कहा कि वे यहूदा के पुरुषों और यरूशलेम के रहनेवालों से यह घोषणा करें।

यिर्मयाह 11:3

लोगों को श्राप क्यों दिया जाएगा?

यदि वे वाचा के वचन को नहीं मानते, तो वे श्रापित है।

यिर्मयाह 11:4

यह वाचा किस से बाँधी गई थी?

वाचा इस्राएल के पुरखाओं से बाँधी गई थी।

यिर्मयाह 11:4 (#2)

वाचा कब दी गई थी?

यह वह दिन था जब यहोवा ने इस्राएलियों को मिस्र दे श में से बाहर निकाला था।

यिर्मयाह 11:5

परमेश्वर ने पितरों से कौन सी शपथ ली थी?

उन्होंने शपथ ली कि वे उन्हें दूध और मधु की धारा से बहने वाला देश प्रदान देंगे।

यिर्मयाह 11:7–8

परमेश्वर ने लोगों के विरुद्ध वाचा में सभी श्राप क्यों लाए?

वह उन्हें लाए क्योंकि लोगों ने वाचा को नहीं माना।

यिर्मयाह 11:10

यहूदा और यरूशलेम के लोगों के बीच क्या साजिश थी?

उन्होंने यहोवा का वचन सुनने से इन्कार कर दिया और दूसरे देवताओं के पीछे चलते रहे।

यिर्मयाह 11:11

जब यहोवा लोगों पर विपत्ति डालते हैं और वे उन्हें दुहाई देते हैं, तो वह उन्हें कैसे उत्तर देंगे?

वह उनकी बात नहीं सुनेंगे।

यिर्मयाह 11:13

यरूशलेम में बाल के लिए कितनी धूप वेदियाँ बनाई गईं?

लोगों ने हर एक सड़क में उस लज्जापूर्ण बाल की वेदियाँ बनाई।

यिर्मयाह 11:14

यहोवा यिर्मयाह को लोगों के लिए प्रार्थना करने का आदेश क्यों नहीं देते?

उन्होंने प्रार्थना नहीं की क्योंकि यहोवा ने उनकी नहीं सुनी।

यिर्मयाह 11:15

लोगों के बलिदान उनकी सहायता क्यों नहीं करेंगे?

बलिदान उनकी सहायता नहीं कर सकते क्योंकि उन्होंने कुकर्म किया है और फिर इसके बारे में प्रसन्न हुए हैं।

यिर्मयाह 11:17

लोगों ने कौन से बुराई किए हैं?

उन्होंने बाल के निमित्त धूप जलाया।

यिर्मयाह 11:20

यहोवा मनुष्य के किस अंग की परीक्षा लेते हैं?

वह हृदय और मन की परीक्षा करते हैं।

यिर्मयाह 11:21

अनातोत के लोग यिर्मयाह से क्या कह रहे थे कि यदि वह यहोवा के नाम से भविष्यद्वाणी करते रहेंगे तो वे क्या करेंगे?

उन्होंने कहा कि वे उसे अपने हाथों से मारेंगे।

यिर्मयाह 11:22

यहोवा ने कहा कि जो लोग यिर्मयाह को मारना चाहते थे, उनका क्या होगा?

उन्होंने कहा कि वे युद्ध और अकाल से उनके जवान को नष्ट कर देंगे।

यिर्मयाह 12:1–2

यिर्मयाह की दुष्टों के बारे में क्या शिकायत है?

दुष्टों की चाल क्यों सफल होती है।

यिर्मयाह 12:3

यिर्मयाह यहोवा से लोगों के लिए क्या करवाना चाहते हैं?

वह चाहते हैं कि यहोवा लोगों को दूर ले जाएं।

यिर्मयाह 12:4

मैदान की घास क्यों सूख जाते हैं?

मैदान की घास निवासियों की बुराई के कारण सूख जाते हैं।

यिर्मयाह 12:6

यिर्मयाह के प्रति विश्वासघात किया है?

यिर्मयाह के भाइयों और उनके घराने के लोगों ने उनके प्रति विश्वासघात किया है।

यिर्मयाह 12:7

परमेश्वर अपने लोगों से बैर क्यों करते हैं?

उन्होंने उनके विरुद्ध स्वयं को खड़ा कर लिया है।

यिर्मयाह 12:10–11

चरवाहों ने मनोहर भाग के खेत के साथ क्या किया है?

उन्होंने इसको सुनसान जंगल बना दिया है।

यिर्मयाह 12:12

पृथ्वी पर मनुष्य को शान्ति कहाँ मिलती है?

पृथ्वी पर मनुष्य को शान्ति नहीं मिलती।

यिर्मयाह 12:13

श्रमिकों को अपने लाभ पर लज्जित क्यों होना चाहिए?

उन्हें यहोवा के क्रोध के भड़कने के कारण अपने खेतों की उपज के विषय में लज्जित होना चाहिए।

यिर्मयाह 12:15

जब यहोवा यहूदा के घराने पर अनुग्रह करेंगे, तब क्या होगा?

यहोवा उन्हें उनकी भूमि में फिर से लगाएंगे।

यिर्मयाह 12:16

उन जाति से यहोवा का क्या वादा है जो "यहोवा के जीवन की सौगन्ध" खाने लगें हैं?

यहोवा के प्रजा के बीच उनका वंश बढ़ेगा।

यिर्मयाह 12:17

यदि वे जाति नहीं मानते हैं तो क्या होगा?

यहोवा उन्हें उखाड़ फेंकेंगे।

यिर्मयाह 13:1–4

यहोवा यिर्मयाह से सनी की एक कमरबन्द के साथ क्या करने के लिए कहते हैं?

वह यिर्मयाह से कहते हैं कि वह सनी की एक कमरबन्द मोल लेकर, उसे फरात के तट पर ले जाकर छिपा दे।

यिर्मयाह 13:7

जब यिर्मयाह ने उस स्थान से कमरबन्द को निकाला, जहाँ उन्होंने उसे छुपाया था, तो उसकी गुणवत्ता कैसी थी?

वह बिगड़ गई थी।

यिर्मयाह 13:10

दुष्ट लोग कमरबन्द के समान कैसे होते हैं?

वे किसी काम के नहीं हैं क्योंकि वे यहोवा के वचन सुनने से इन्कार करते हैं।

यिर्मयाह 13:11

यहोवा चाहते हैं कि उनके लोग कौन-कौन सी तीन चीजें उनके पास लाएं?

वह चाहते हैं कि वे उन्हें कीर्ति, स्तुति, और शोभा लाएं।

यिर्मयाह 13:14

यहोवा सभी लोगों को किससे अचेत करेंगे?

वह उन्हें मदिरा पिलाकर अचेत करेंगे।

यिर्मयाह 13:14 (#2)

यहोवा लोगों को मदिरा पिलाकर क्या करेंगे?

वह उन्हें नष्ट कर देंगे।

यिर्मयाह 13:16

यदि लोग परमेश्वर यहोवा की बड़ाई नहीं करेंगे तो क्या होगा?

वह अंधकार लाएंगे।

यिर्मयाह 13:18

राजा और राजमाता को स्वयं को नम्र क्यों करना चाहिए?

उनके मुकुट उतार लिए गए हैं।

यिर्मयाह 13:21

परमेश्वर लोगों के ऊपर किसे ठहराएंगे?

वे उन पर उन लोगों को प्रधान ठहराएंगे जिन्हें उन्होंने अपने मित्रों के रूप में शिक्षा दी है।

यिर्मयाह 13:22

लोगों के साथ बुरी चीजें क्यों होती हैं?

बुरी चीजें हो रही हैं क्योंकि लोगों ने बड़े अधर्म किए हैं।

यिर्मयाह 13:27

यहोवा उन घिनौने काम के बारे में क्या करेंगे जो लोगों ने गुप्त रूप से की हैं?

वह उन्हें सबको दिखाएंगे।

यिर्मयाह 14:3

जब छोटे लोग पानी की खोज करते हैं तो क्या होता है?

उन्हें पानी नहीं पाया।

यिर्मयाह 14:4-6

जब वर्षा नहीं होती है तो क्या होता है?

वहाँ भूमि में दरार पड़ गई हैं।

यिर्मयाह 14:8

यहोवा इस्राएल को कब बचाएंगे?

वह संकट के समय में इस्राएल को बचाएंगे।

यिर्मयाह 14:11

यहोवा यिर्मयाह से प्रजा के लिए क्या न करने के लिए कहते हैं?

यहोवा यिर्मयाह से कहते हैं कि प्रजा की भलाई के लिये प्रार्थना न करें।

यिर्मयाह 14:14

झूठे भविष्यद्वक्ताओं का झूठा दावा कहाँ से उत्पन्न होते हैं?

वे झूठे भविष्यद्वक्ताओं के मन से आते हैं।

यिर्मयाह 14:16

झूठे भविष्यद्वक्ताओं का क्या परिणाम होगा?

वे अकाल और तलवार के द्वारा मारे जाएंगे।

यिर्मयाह 14:18

युद्ध में लोग कहाँ मारे जाएंगे?

वे मैदान में तलवार के कारण मारे जाएंगे।

यिर्मयाह 14:18 (#2)

लोग भूख से कहाँ मर सकते हैं?

वे नगर के भीतर भूख से मर जाएंगे।

यिर्मयाह 14:20

यिर्मयाह यहोवा के सामने पुरखाओं के अधर्म को कैसे मान लेते हैं?

उन्होंने यहोवा के विरुद्ध पाप किया था।

यिर्मयाह 14:22

लोगों को यहोवा में आशा क्यों रखनी चाहिए?

यहोवा ने आकाश की रचना की है और वसंत की वर्षा प्रदान की है।

यिर्मयाह 15:1

यहोवा ने कहा कि वह क्या नहीं बदलेगा, चाहे मूसा या शमूएल लोगों के लिए प्रार्थना करें?

तो भी यहोवा का मन इन लोगों की ओर न फिरता।

यिर्मयाह 15:2

यहूदा और यरूशलेम के लोगों का भविष्य क्या होगा?

कुछ तलवार से मरनेवाले हैं, कुछ अकाल से मरनेवाले हैं, और कुछ जो बन्दी बननेवाले हैं, वे बँधुआई में चले जाएंगे।

यिर्मयाह 15:3

लोगों के साथ कौन-कौन सी चार प्रकार के विनाश होंगी?

कुछ तलवार से मारे जाएंगे, कुछ को कुत्ते फाड़ डालेंगे, कुछ को आकाश के पक्षी खा जाएंगे, और कुछ को मैदान के हिंसक जन्तु खा जाएंगे।

यिर्मयाह 15:5

यरूशलेम की कुशल कौन पूछेगा?

कोई भी यरूशलेम की कुशल नहीं पूछेगा।

यिर्मयाह 15:6

यहोवा यरूशलेम के लिए क्या करने से थक गए हैं?

वे यरूशलेम पर तरस खाते-खाते थक गए हैं।

यिर्मयाह 15:9

सात लड़कों की माता को किस बात से बेहाल और लज्जा होगा?

यहोवा शत्रुओं की तलवार से उनके बच्चों को मरवा देंगे।

यिर्मयाह 15:11

यहोवा यिर्मयाह के शत्रु को सहायता के लिए विनती करने पर कब मजबूर करेंगे?

वह उन्हें विपत्ति और कष्ट के समय मैं सहायता के लिए विनती करने पर मजबूर करेंगे।

यिर्मयाह 15:13

यहोवा लोगों की धन-सम्पत्ति उनके शत्रुओं को क्यों सौंपेंगे?

वे इसे सर्वत्र देश के पापों के कारण देंगे।

यिर्मयाह 15:16

यिर्मयाह ने यहोवा के वचनों का क्या किया?

उन्होंने उन्हें खा लिया।

यिर्मयाह 15:19

यिर्मयाह को पुनःस्थापित होने के लिए क्या करना चाहिए?

उन्हें मन फिरना चाहिए।

यिर्मयाह 15:21

यहोवा किस प्रकार के लोगों से यिर्मयाह को छुड़ाएंगे?

वह उन्हें दुष्ट और उपद्रवी लोगों से बचाएंगे।

यिर्मयाह 16:2

यहोवा यिर्मयाह को क्या आज्ञा देते हैं?

यहोवा यिर्मयाह को आज्ञा देते हैं कि वे विवाह करके बेटे-बेटियाँ न जन्में।

यिर्मयाह 16:3-4

उस स्थान पर उत्पन्न होने वाले बच्चों का भविष्य क्या होगा?

वे सभी मरेंगे।

यिर्मयाह 16:4

उनके लोथों का क्या होगा?

उनके लोथें भूमि के ऊपर खाद के समान होंगे और आकाश के पक्षियों और मैदान के पशुओं का आहार होंगी।

यिर्मयाह 16:5-6

यहोवा यिर्मयाह को उन घरों में जाने से क्यों मना करते हैं जहाँ लोग शोक मना रहे हैं?

वह यिर्मयाह को आज्ञा देते हैं क्योंकि छोटे-बड़े सब मरेंगे, लेकिन कोई उनके लिए शोक नहीं करेगा।

यिर्मयाह 16:9

यहोवा यिर्मयाह को उन घरों में जाने का आज्ञा क्यों देते हैं जहाँ लोग आनन्द मना रहे हैं?

यहोवा उन्हें आज्ञा देते हैं क्योंकि वे आनन्द का अंत करने जा रहे हैं।

यिर्मयाह 16:10

जब यिर्मयाह लोगों को उनका संदेश सुनाएंगे, तो लोग क्या प्रश्न पूछेंगे?

लोग यिर्मयाह से पूछेंगे कि यहोवा ने उनके विरुद्ध सारी बड़ी विपत्ति क्यों कहा है।

यिर्मयाह 16:12

इन लोगों में या उनके पुरखाओं में कौन अधिक बुराई की थी?

ये लोग अपने पुरखाओं से भी अधिक बुराई करते थे।

यिर्मयाह 16:18

यहोवा इस्राएल की अशुद्धता और पाप का दुगना प्रतिफल क्यों देंगे?

वह इसे करेंगे क्योंकि उन्होंने अपनी घृणित वस्तुओं की लोथों से देश को अशुद्धता से भर दिया है।

यिर्मयाह 16:19

जब जाति-जाति यहोवा के पास आएंगे, तो वे अपने पुरखाओं के बारे में क्या कहेंगे?

वे कहेंगे कि उनके पुरखाओं ने झूठी, व्यर्थ और निष्फल वस्तुओं को अपनाते आए हैं।

यिर्मयाह 17:1

यहूदा का पाप कहाँ खुदा हुआ है?

यह उनके हृदयरूपी पटिया पर खुदा हुआ है।

यिर्मयाह 17:2

लोगों के अशेरा खंभे कहाँ स्थित होते हैं?

अशेरा के खंभे ऊँचे टीलों पर हरे पेड़ों के पास स्थित हैं।

यिर्मयाह 17:4

यहूदा को कहाँ सेवा करेगा?

यहूदा एक अनजाने देश में सेवा करेगा।

यिर्मयाह 17:5

यहोवा किसे श्रापित कहते हैं?

यहोवा कहते हैं कि वह पुरुष जो मनुष्य पर भरोसा रखता है, वह श्रापित है।

यिर्मयाह 17:9

मन कैसा होता है?

मन तो सब वस्तुओं से अधिक धोखा देनेवाला होता है, उसमें असाध्य रोग लगा है; उसका भेद कौन समझ सकता है।

यिर्मयाह 17:13

जो यहोवा को छोड़ देंगे, उनके साथ क्या घटित होगा?

जो कोई यहोवा को छोड़ते हैं, वे लज्जित होंगे और भटक जाते हैं।

यिर्मयाह 17:16

यिर्मयाह किस काम से नहीं भागा?

यिर्मयाह यहोवा का अनुसरण करते हुए चरवाहे का काम नहीं छोड़ा।

यिर्मयाह 17:19

जब यिर्मयाह फाटक के पास खड़े थे, तो यहोवा उनसे क्या करने की इच्छा रखते थे?

वह चाहते थे कि यिर्मयाह लोगों से कहें कि वे यहोवा के वचन को सुनें।

यिर्मयाह 17:21

यहोवा क्या चाहते थे कि लोग करना बंद कर दें?

वह चाहते थे कि वे विश्राम के दिन बोझ उठाना बंद कर दें।

यिर्मयाह 17:25

यदि लोग सुनेंगे और विश्राम के दिन कोई बोझ नहीं उठाएंगे, तो नगर का क्या होगा?

यदि वे सुनेंगे और मानेंगे, तो यह नगर सर्वदा बसा रहेगा।

यिर्मयाह 17:27

यदि लोग नहीं सुनेंगे तो क्या होगा?

यदि लोग नहीं सुनते हैं, तो यहोवा यरूशलेम को आग लगा देंगे।

यिर्मयाह 18:2

यहोवा यिर्मयाह से कहाँ जाने के लिए कहते हैं ताकि वे उनसे अपना वचन सुन सकें?

यहोवा यिर्मयाह से कुम्हार के घर जाने के लिए कहते हैं।

यिर्मयाह 18:4

जब यिर्मयाह देख रहे थे, तब कुम्हार द्वारा गढ़ी गई मिट्टी का बर्तन का क्या हुआ?

यह उनके हाथ में बिगड़ गया था।

यिर्मयाह 18:8

यहोवा उस देश के साथ क्या करेंगे जो उनके वचन सुनने के बाद अपनी बुराई से फिर जाता है?

वह उस विपत्ति से पछताएंगे जिसे वह उन पर डालने को ठान रहे थे।

यिर्मयाह 18:10

यहोवा उस देश के साथ क्या करेंगे जो उनका वचन नहीं सुनता?

वे उनके लिए जो भलाई के बात उन्होंने कही थी, वह नहीं करेंगे।

यिर्मयाह 18:11

यहोवा यहूदा और यरूशलेम के लोगों के विरुद्ध विपत्ति क्यों लाएंगे?

वे बुरे काम कर रहे हैं।

यिर्मयाह 18:12

यिर्मयाह की चेतावनी के बाद यहूदा और यरूशलेम के लोग क्या करेंगे?

वे नहीं सुनेंगे और अपने बुरे मन के हठ पर बने रहेंगे।

यिर्मयाह 18:15

इस्राएल क्यों एक भयावह स्थान बन जाएगा?

इस्राएलियों ने यहोवा को भुला दिया है और निकम्मी मूर्तियों के लिये धूप जलाते हैं।

यिर्मयाह 18:16

जो कोई भी पास से चले, वह क्यों चकित होगा और सिर हिलाएगा?

वे ऐसा करेंगे क्योंकि यहोवा ने देश को एक उजाड़ स्थिति में कर दिया है।

यिर्मयाह 18:18

यिर्मयाह के विरुद्ध लोगों की युक्ति क्या है?

वे उन पर उनकी कोई बात पकड़कर उसको नाश करने की युक्ति बना रहे हैं और अब उनके कहे किसी भी बात पर ध्यान नहीं देंगे।

यिर्मयाह 18:20

यिर्मयाह यहोवा से किस बात को स्मरण रखने के लिए प्रार्थना करते हैं?

यिर्मयाह यहोवा से प्रार्थना करते हैं कि वह याद रखें कि यिर्मयाह ने लोगों की भलाई के लिए कैसे बातें की थीं।

यिर्मयाह 18:21

यिर्मयाह यहोवा से अपने शत्रुओं के साथ क्या करने के लिए प्रार्थना करते हैं?

वह यहोवा से प्रार्थना करते हैं कि उनके पुरुष मरी से मरें और उनके पाप को क्षमा न करे।

यिर्मयाह 19:1

यहोवा ने यिर्मयाह से क्या मोल लेने को कहा?

उन्होंने यिर्मयाह से कहा कि वे जाकर एक कुम्हार से मिट्टी की बनाई हुई एक सुराही मोल लें।

यिर्मयाह 19:3

यहोवा ने यिर्मयाह से कहा कि वह यहूदा के राजाओं और यरूशलेम के सब निवासियों पर क्या डालने वाले हैं?

यहोवा ने कहा कि वह उस स्थान पर विपत्ति डालने पर हैं, और उन पर सन्नाटा छा जाएगा।

यिर्मयाह 19:4

परमेश्वर यरूशलेम पर विपत्ति क्यों डाल रहे हैं?

वह विपत्ति इसलिए डाल रहे हैं क्योंकि लोगों ने परमेश्वर को त्याग दिया है और उनके स्थान को अपवित्र किया है, और दूसरे देवताओं के पास गए हैं, और स्थान को निर्दोषों के लहू से भर दिया है।

यिर्मयाह 19:5

लोगों ने बाल की पूजा के ऊँचे स्थानों को क्यों बनाए थे?

उन्होंने अपने बाल-बच्चों को बाल के लिये होम करने के लिए ऊँचे स्थानों को बनाए थे।

यिर्मयाह 19:6

हिन्नोमियों की तराई क्या कहलाएगा?

यह घात की तराई कहलाएगा।

यिर्मयाह 19:10

यिर्मयाह को मिट्टी की सुराही के साथ क्या करना चाहिए था?

उसे अपने संग गए मनुष्यों के सामने मिट्टी की सुराही तोड़नी थी।

यिर्मयाह 19:13

अशुद्ध लोग छतों पर क्या कर रहे थे?

अशुद्ध लोग छतों पर आकाश की सारी सेना के लिए धूप जला रहे थे और अन्य देवताओं के लिए तपावन दे रहे थे।

यिर्मयाह 19:14–15

यहोवा ने इस नगर और इसके सब गाँवों पर विपत्ति क्यों डाले?

यहोवा ने उन पर विपत्ति डाली क्योंकि उन्होंने अपनी हठ करके यहोवा के वचनों को सुनने से माना कर दिया।

यिर्मयाह 20:1–2

पशहूर ने यिर्मयाह को क्यों मारा और उसे काठ में क्यों डाला?

उन्होंने यिर्मयाह को मारा क्योंकि यिर्मयाह ने यहोवा के भवन के सामने ये वचन भविष्यद्वाणी के रूप में कहे थे।

यिर्मयाह 20:4

यहोवा बाबेल के राजा को क्या देंगे?

यहोवा उन्हें इस नगर के सारे धन को और इसमें की कमाई और सब अनमोल वस्तुओं को और यहूदा के राजाओं का जितना रखा हुआ धन देंगे।

यिर्मयाह 20:5

पशहूर और उनके घर के सभी निवासियों का क्या होगा?

वे बाबेल जाएंगे और वहीं मरेंगे।

यिर्मयाह 20:7–9

जब यिर्मयाह ने यहोवा के नाम की चर्चा और अधिक न करने की कोशिश की, तो क्या हुआ?

उनका वचन यिर्मयाह के हृदय में धधकती हुई आग की तरह बन गया, उनकी हड्डियों में जलन उत्पन्न हुई, और वे इसे रोक नहीं सके।

यिर्मयाह 20:8

यिर्मयाह ने कौन सा संदेश पुकारा और ललकारा?

उन्होंने पुकारा और ललकारा की, "उपद्रव और उत्पात हुआ, हाँ उत्पात।"

यिर्मयाह 20:10–11

जो लोग यिर्मयाह के ठोकर खाने की बाट जोहते हैं, उनके साथ क्या होगा?

वे ठोकर खाकर गिरेंगे, उन पर वे प्रबल न होंगे, और इसलिए उन्हें बहुत लज्जित होना पड़ेगा।

यिर्मयाह 20:12–13

यिर्मयाह क्यों कहते हैं कि गाओ और यहोवा की स्तुति करो?

हर किसी को यहोवा की स्तुति और गान करना चाहिए क्योंकि वे धर्मियों के परखनेवाले और हृदय और मन के ज्ञाता को देखते हैं, बदला लेते हैं, और दरिद्र जन के प्राण को बचाते हैं।

यिर्मयाह 20:14

यिर्मयाह वह दिन जिसमें वह उत्पन्न हुए उसके बारे में क्या कहते हैं?

वह उस दिन को श्रापित मानता है जिस दिन वह उत्पन्न हुए और वह चाहता है कि वह दिन धन्य न हो।

यिर्मयाह 21:1–2

पशहूर और सपन्याह ने यिर्मयाह से क्या पूछा था?

उन्होंने उनसे यहोवा से परामर्श करने के लिए कहा।

यिर्मयाह 21:1–2 (#2)

वे यिर्मयाह से यहोवा से परामर्श लेने की इच्छा क्यों रखते थे?

वे आशा कर रहे थे कि यहोवा उनके लिए कोई आश्चर्यकर्म करेंगे।

यिर्मयाह 21:3–5

यिर्मयाह ने सिदकिय्याह को क्या सन्देश दिया?

संदेश यह है कि यहोवा सिदकिय्याह के विरुद्ध लड़ेंगे।

यिर्मयाह 21:6–7

यहोवा राजा सिदकिय्याह के विरुद्ध कैसे लड़ेंगे?

यहोवा मरी, तलवार और अकाल के माध्यम से राजा सिदकिय्याह के विरुद्ध लड़ेंगे।

यिर्मयाह 21:8–9

जो लोग प्राण बचाना चाहते हैं, उन्हें क्या करना चाहिए था?

उन्हें नगर से बाहर जाकर कसदियों के सामने आत्मसमर्पण करना चाहिए था।

यिर्मयाह 21:8–10

जो लोग नगर में रहेंगे, उनके साथ क्या होगा?

वे मर जाएंगे।

यिर्मयाह 21:11–12

यहोवा यहूदा के राजा से क्या चाहते हैं?

वह चाहते हैं कि राजा यहोवा के वचन को सुनें, न्याय चुकाए, और लुटे हुए को छुड़ाए।

यिर्मयाह 21:13–14

यहोवा किसके विरोध में हैं?

यहोवा उन लोगों के विरोध में हैं जो तराई और मैदान में निवास करते हैं।

यिर्मयाह 21:13–14 (#2)

लोग जो कर रहे हैं उसके कारण यहोवा क्या करेंगे?

वह वन में आग लगाएंगे जो सब कुछ भस्म कर देगी।

यिर्मयाह 22:1–3

यहोवा यहूदा के राजा, उसके कर्मचारियों, और उसके प्रजा से क्या करने के लिए कहते हैं?

उन्हें यहोवा के वचन को सुनना चाहिए, न्यायपूर्वक काम करना चाहिए, लूटे गए लोगों की सहायता करनी चाहिए, और उत्पीड़ितों को छुड़ाना चाहिए। उन्हें परदेशी, अनाथ और विधवा पर उपद्रव नहीं करना चाहिए, और उन्हें हिंसक नहीं होना चाहिए या निर्दोषों का लहू को नहीं बहाना चाहिए।

यिर्मयाह 22:5

यदि वे यहोवा की इस वाणी को नहीं सुनते हैं तो क्या होगा?

यह भवन उजाड़ हो जाएगा।

यिर्मयाह 22:6–7

राजा के इस भवन कैसे एक मरुस्थल में परिवर्तित हो जाएगा?

यहोवा उन लोगों को भेजेंगे जो आकर इसे नाश करेंगे।

यिर्मयाह 22:8–9

यहोवा ने इस महान नगर के साथ ये कार्य क्यों किए हैं?

उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि लोगों ने वाचा को तोड़कर अन्य देवताओं को दण्डवत् किया और उनकी उपासना भी की।

यिर्मयाह 22:10

जो लोग परदेश चले गए हैं, उनके लिए लोगों को क्यों विलाप करना चाहिए?

उन्हें विलाप करना चाहिए क्योंकि जो लोग परदेश चले गए हैं कभी वापस नहीं आएंगे और अपनी जन्म-भूमि फिर कभी देखने न पाएंगे।

यिर्मयाह 22:15–16

एक अच्छे राजा को क्या करना चाहिए?

उन्हें दीन और दरिद्र लोगों का न्याय करना चाहिए, धार्मिकता के काम करना चाहिए, और यहोवा का ज्ञान रखना चाहिए।

यिर्मयाह 22:17

लोग राजा यहोयाकीम के लिए विलाप क्यों नहीं करेंगे?

वे विलाप नहीं करेंगे क्योंकि वह चोरी करते हैं, निर्दोष की हत्या करते हैं, और लोगों पर उपद्रव करते हैं।

यिर्मयाह 22:19

वे यहोयाकीम को किस प्रकार से मिट्टी देंगे?

वे उसे उसी प्रकार मिट्टी देंगे जैसे गदहे को मिट्टी दी जाता है।

यिर्मयाह 22:21

जब से लोग युवावस्था के थे, उनकी क्या परंपरा रही है?

उन्होंने यहोवा की बात नहीं सुनी है।

यिर्मयाह 22:22

जब वे नहीं सुनेंगे तो उनके साथ क्या होगा?

उनके सब चरवाहे वायु से उड़ाए जाएँगे, और मित्र बँधुआई में चले जाएँगे, और वे लज्जित होंगे और उनका मुँह काला हो जाएगा।

यिर्मयाह 22:24–26

यहोयाकीन का क्या होगा?

यहोवा यहोयाकीन को बाबेल के राजा के हाथ में कर देंगे, और वह अपनी भूमि से दूर पराए देश में मर जाएगा।

यिर्मयाह 22:30

यहोवा यहोयाकीन के विषय में क्या कहते हैं?

यहोयाकीन की कोई वंश नहीं होगी और वह समृद्ध नहीं होंगे।

यिर्मयाह 23:1–2

यिर्मयाह के समय के चरवाहे भेड़-बकरियों के साथ क्या किया करते थे?

चरवाहे भेड़-बकरियों को नाश करते हैं, उन्हें तितर-बितर कर देते हैं, उन्हें जबरन निकाल देते हैं, और उनकी सुधि नहीं ली।

यिर्मयाह 23:3–4

यहोवा यह घोषणा करते हैं कि वे अपनी भेड़-बकरियों के लिए क्या करेंगे?

वह उन्हें इकट्ठा करेंगे, उन्हें चरने के लिए जगह देंगे, और उनके लिए अच्छे चरवाहे नियुक्त करेंगे।

यिर्मयाह 23:5–6

आने वाले दिनों में यहोवा क्या करेंगे?

वह एक धर्मी राजा को स्थापित करेंगे।

यिर्मयाह 23:7–8

लोग क्या कहेंगे कि यहोवा ने उनके लिए क्या किया है?

वे कहेंगे कि यहोवा ने उन्हें अन्य देशों से छुड़ा ले आया है ताकि वे अपने ही देश में बसे रहेंगे।

यिर्मयाह 23:9

यिर्मयाह का हृदय क्यों भीतर ही भीतर फटा जाता है?

उनका हृदय भीतर ही भीतर फटा जाता है क्योंकि यहोवा के वचन पवित्र हैं, लेकिन भविष्यद्वक्ता झूठे हैं और भूमि व्यभिचारियों से भरी हुई है।

यिर्मयाह 23:11–12

भविष्यद्वक्ताओं और याजकों का क्या होगा?

यहोवा उन्हें ढकेलकर गिरा देंगे और विपत्ति उनके खिलाफ आएगी।

यिर्मयाह 23:13–14

भविष्यद्वक्ताओं के अपराध क्या होते हैं?

उन्होंने बाल के नाम से भविष्यद्वाणी की, यहोवा के प्रजा इस्राएल को भटका दिया, व्यभिचार किया, लोगों को धोखा दिया, और कुकर्मियों को हियाव बँधाते हैं।

यिर्मयाह 23:15

यहोवा इन भविष्यद्वक्ताओं से क्या कार्य करवाते हैं?

वह उन्हें कड़वी वस्तुएँ खाने और विष पीने के लिए बाध्य करता है।

यिर्मयाह 23:16–17

यहोवा क्यों कहते हैं, "भविष्यद्वक्ताओं की बातों की ओर कान मत लगाओ"?

वे व्यर्थ बातें सिखाते हैं।

यिर्मयाह 23:19

यहोवा का जलजलाहट कैसा होता है?

उनका जलजलाहट एक प्रचण्ड बवण्डर और आँधी के समान है।

यिर्मयाह 23:21–22

भविष्यद्वक्ताओं के साथ क्या समस्या है?

यहोवा ने उन्हें नहीं भेजा है।

यिर्मयाह 23:23–24

लोग यहोवा से दूर जाने के लिए कहाँ जा सकते हैं?

कोई भी व्यक्ति उनसे दूर नहीं जा सकता। वे निकट और दूर दोनों हैं, वे हर गुप्त स्थान को देख सकते हैं, और वे स्वर्ग और पृथ्वी में हर जगह परिपूर्ण हैं।

यिर्मयाह 23:25–27

भविष्यद्वक्ता लोगों से क्या अपेक्षा रखते हैं?

वे चाहते हैं कि लोग यहोवा की आराधना करना बंद कर दें।

यिर्मयाह 23:28–29

यहोवा के भविष्यद्वक्ता को यहोवा से जो सुनते हैं, उसे कैसे सुनाना है?

उन्हें यहोवा के वचन को सच्चाई से सुनाना है और दूसरों के शब्द नहीं चुराने चाहिए।

यिर्मयाह 23:31–32

यहोवा भविष्यद्वक्ताओं के विरोध में क्यों हैं?

वह उनके विरुद्ध हैं क्योंकि वे लोगों को यह कहकर भरमाते हैं कि उनके अपने विचार यहोवा के वचन हैं।

यिर्मयाह 23:33

यहोवा यिर्मयाह से क्या चाहते हैं कि वह उन लोगों से कहे जो उनसे यहोवा का वचन पूछते हैं?

उन्हें यह कहना है कि यहोवा की ओर से कोई वचन नहीं है क्योंकि यहोवा ने लोगों को त्याग दिया है।

यिर्मयाह 23:34

यहोवा किसे दण्ड देंगे?

वह उन लोगों को दण्ड देंगे जो कहते हैं कि उनके पास यहोवा का भारी वचन है।

यिर्मयाह 23:35–36

लोगों को यहोवा की भारी वचन के बारे में एक-दूसरे से बात क्यों नहीं करनी चाहिए?

उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति अपने शब्दों का उपयोग कर रहा है, और उन्होंने जीवित परमेश्वर के वचन बिगाड़ दिए हैं।

यिर्मयाह 23:37–38

यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता की परीक्षा कैसे करते हैं?

वह यह देखने के लिए प्रश्न पूछते हैं कि क्या वे झूठा कहते हैं कि उन्हें यहोवा से कोई प्रभावशाली वचन प्राप्त हुई है।

यिर्मयाह 23:39–40

झूठी वचन देने वाले भविष्यद्वक्ता का क्या परिणाम होता है?

यहोवा उन्हें दूर कर देंगे और उनके ऊपर सदा के लिए नामधराई और अनादर डाल देंगे।

यिर्मयाह 24:1–3

यिर्मयाह को यहोवा ने कौन-सा दर्शन दिखाया?

यहोवा ने उन्हें एक टोकरी में पके अच्छे-अच्छे अंजीर और दूसरी टोकरी में बहुत निकम्मे अंजीर दिखाए।

यिर्मयाह 24:4–5

यहोवा कहते हैं कि अच्छे अंजीर जैसे लोग कौन हैं?

यहोवा कहते हैं कि बन्दी अच्छे अंजीरों के समान हैं।

यिर्मयाह 24:6

यहोवा उन लोगों के साथ क्या करेंगे जो अच्छे अंजीरों के समान हैं?

वह उन्हें भूमि पर फिर से लौटा ले आएंगे।

यिर्मयाह 24:8

यहोवा कहते हैं कि कौन लोग निकम्मे अंजीर के समान हैं?

सिदकिय्याह, और उसके हाकिमों और बचे हुए यरूशलेमियों को, जो इस देश में या मिस्र में रह गए हैं, निकम्मे अंजीर के समान हैं।

यिर्मयाह 24:8-10

यहोवा उन लोगों के साथ क्या करेंगे जिन्हें वह निकम्मे अंजीर के समान कहते हैं?

यहोवा उन लोगों के साथ ऐसा करेंगे की वह मारे-मारे फिरते हुए दुःख भोगते रहेंगे, और वह उन्हें तलवार, अकाल, और मरी से नष्ट कर देंगे।

यिर्मयाह 25:1-2

यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता ने यह वचन किसे बताया था?

उन्होंने सब यहूदियों और यरूशलेम के सब निवासियों को यह वचन बताया।

यिर्मयाह 25:3

लोगों ने यिर्मयाह द्वारा बताए वचनों को कैसे स्वीकार किया था?

उन्होंने उसे नहीं सुना।

यिर्मयाह 25:3-4

यिर्मयाह कितने समय से यहोवा का वचन पहुँचा रहे थे?

वे तेईस वर्ष से उनका वचन पहुँचा रहे थे।

यिर्मयाह 25:5-6

भविष्यद्वक्ताओं ने प्रत्येक व्यक्ति से क्या कहा?

उन्होंने प्रत्येक पुरुष से कहा कि वे अपनी-अपनी बुरी चाल और अपने-अपने बुरे कामों से फिरें, दूसरे देवताओं के पीछे

होकर उनकी उपासना और उनको दण्डवत् न करें, और जो कुछ उन्होंने किया उससे यहोवा को रिस न दिलाएं।

यिर्मयाह 25:7-9

क्योंकि उन्होंने नहीं मानी यहोवा ने क्या हानि पहुँचाई?

यहोवा ने उत्तर में रहनेवाले सब कुलों को नबूकदनेस्सर के साथ उन्हें सत्यानाश करने के लिए भेजा।

यिर्मयाह 25:10-11

जब ये सब जातियाँ सत्तर वर्ष तक बाबेल के राजा के अधीन रहेंगी, तब कौन सी शब्द सुनाई न पड़ेगा?

हर्ष और आनन्द का शब्द और चक्की का भी शब्द सुनाई न पड़ेगा।

यिर्मयाह 25:12-14

सत्तर वर्षों में क्या घटित होगा?

यहोवा बाबेल के लोगों को उनके अधर्म के लिए दण्ड देंगे।

यिर्मयाह 25:15-16

जब यहोवा उन्हें अपने जलजलाहट का कटोरा देंगे, तो सभी जाति क्या करेंगे?

वे उसे पीकर उस तलवार के कारण जो उनके बीच यहोवा चलाएंगे वे लड़खड़ाएँगे और बावले हो जाएँगे।

यिर्मयाह 25:17-18

यरूशलेम और यहूदा के नगरों के निवासियों को, और उनके राजाओं और हाकिमों को उस कटोरे को जो यिर्मयाह ने उन्हें दिया था उसे पीने के बाद क्या हुआ?

वे उजाड़ हो जाए।

यिर्मयाह 25:26

यहोवा के जलजलाहट के कटोरे को सब के बाद किस देश ने पिया?

बाबेल ने यहोवा के जलजलाहट के कटोरे को सब के बाद पिया।

यिर्मयाह 25:27–29

यदि जातियाँ यिर्मयाह के हाथ से कटोरा लेने से इन्कार कर दें तो क्या होगा?

उन पर वैसे भी विपत्ति डाला जाएगा।

यिर्मयाह 25:32–33

यहोवा की विपत्ति किसे प्रभावित करेगी?

यह पृथ्वी की एक छोर से दूसरी छोर तक सभी को नष्ट कर देगा।

यिर्मयाह 25:34–36

चरवाहों ने क्यों चिल्लाया?

उनकी वध होने के दिन आ पहुँचे हैं।

यिर्मयाह 25:37–38

शान्ति के स्थान नष्ट क्यों हो जाएँगे?

यहोवा के क्रोध भड़कने के कारण शान्ति के स्थान नष्ट हो जाएँगे।

यिर्मयाह 26:1–2

यहोवा यिर्मयाह से आँगन में क्या घोषणा करने के लिए कहते हैं?

वे उनसे यहोवा के सभी वचनों की घोषणा करने के लिए कहते हैं।

यिर्मयाह 26:3

लोग यहोवा से उनके ऊपर विपत्ति न लाने के लिए क्या कर सकते हैं?

यदि लोग सुनें और अपनी-अपनी बुरी चाल से फिरें, तो यहोवा उन पर विपत्ति नहीं लाएंगे।

यिर्मयाह 26:4–6

यदि लोग यहोवा के वचनों को नहीं सुनते, तो यहोवा उनके नगर के साथ क्या करेंगे?

यहोवा उनके नगर को एक श्राप में परिवर्तित कर देंगे।

यिर्मयाह 26:7–9

यिर्मयाह के यहोवा के वचनों की घोषणा करने के पश्चात क्या होता है?

याजकों, भविष्यद्वक्ताओं, और साधारण लोग उसे पकड़ लेते हैं और कहते हैं कि उन्हें प्राणदण्ड मिलेगा।

यिर्मयाह 26:10–12

लोग उसका न्याय करने के लिए उसे कहाँ ले जाएंगे?

वे उन्हें भवन के नए फाटक की डेवढ़ी तक ले गए।

यिर्मयाह 26:13–15

यदि हाकिम यिर्मयाह को मार डालते हैं तो क्या परिणाम होगा?

यदि वे उन्हें मार देते हैं, तो वे एक निर्दोष के हत्यारे बनेंगे।

यिर्मयाह 26:16–17

हाकिमों, लोगों और पुरनियों का यिर्मयाह को मारने के विषय में क्या कहना है?

वे कहते हैं कि यह मनुष्य प्राणदण्ड के योग्य नहीं है।

यिर्मयाह 26:18

मीका ने क्या भविष्यद्वाणी की थी?

मीका ने भविष्यद्वाणी की कि सिय्योन, यरूशलेम, और भवनवाला पर्वत जंगली स्थान हो जाएगा।

यिर्मयाह 26:20

राजा ऊरिय्याह के साथ क्या करने का प्रयास करते हैं?

राजा ऊरिय्याह को मारने का प्रयास करते हैं।

यिर्मयाह 26:21

ऊरिय्याह क्या करते हैं?

वे मिस्र को भाग जाते हैं।

यिर्मयाह 26:22–23

यहोयाकीम ऊरिय्याह को मारने में कैसे सक्षम हुए?

यहोयाकीम ने ऊरिय्याह को वापस लाने के लिए मिस्र में लोगों को भेजा, फिर यहोयाकीम ने तलवार से ऊरिय्याह की हत्या कर दी।

यिर्मयाह 26:24

यिर्मयाह को कौन बचाते हैं?

शापान के पुत्र अहीकाम यिर्मयाह को मारे जाने से बचाते हैं।

यिर्मयाह 27:1–2

यिर्मयाह को किन राजाओं के लिए यहोवा से वचन प्राप्त होता है?

उन्हें एदोम, मोआब, अम्मोन, सोर और सीदोन के राजाओं के लिए वचन प्राप्त होता है।

यिर्मयाह 27:5–7

राजाओं के लिए क्या वचन है?

उन सब का देश बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर के दास बनेंगे।

यिर्मयाह 27:8

जो जाति नबूकदनेस्सर के अधीन नहीं होंगे, उनके साथ क्या होगा?

यहोवा उस जाति को तलवार, अकाल और मरी के साथ दण्ड देंगे जो नबूकदनेस्सर के अधीन नहीं होंगे।

यिर्मयाह 27:9–10

जो लोग झूठी भविष्यद्वाणियाँ सुनते हैं, उनके साथ क्या होगा?

यहोवा उन्हें अपने-अपने देश से दूर भेज देंगे, और वे वहीं पर नष्ट हो जाएंगे।

यिर्मयाह 27:11

जो जाति बाबेल के राजा का जूआ अपनी गर्दन पर लेकर उसके अधीन रहेगी, उन्हें क्या प्राप्त होगा?

वे उसी के देश में रहेंगे, उसमें खेती करेंगे, और बसे रहेगी।

यिर्मयाह 27:12

यदि राजा सिदकिय्याह जीवित रहना चाहते हैं, तो उन्हें क्या करना चाहिए?

उन्हें बाबेल के राजा के अधीन रहकर जीवित रहना होगा।

यिर्मयाह 27:14–15

यदि सिदकिय्याह अपने भविष्यद्वक्ताओं की बात सुनते हैं तो क्या होगा?

यहोवा उन्हें देश से निकाल देंगे और वे नष्ट हो जाएंगे।

यिर्मयाह 27:16–17

यिर्मयाह याजकों और साधारण लोगों से क्या कहते हैं?

उन्हें भविष्यद्वक्ताओं की बात नहीं सुननी चाहिए। उन्हें बाबेल के राजा के अधीन होकर और उसकी सेवा करनी चाहिए और जीवित रहना चाहिए।

यिर्मयाह 27:19–20

नबूकदनेस्सर यहूदा और यरूशलेम से क्या-क्या लेकर गए?

वह यकोन्याह और सब कुलीनों को बन्दी बनाकर ले गए।

यिर्मयाह 27:21–22

भवन में वस्तुओं का क्या होगा?

नबूकदनेस्सर उन्हें बाबेल ले जाएंगे।

यिर्मयाह 28:1–2

संक्षेप में, हनन्याह ने यिर्मयाह से याजकों और सब लोगों के सामने क्या कहा?

हनन्याह ने कहा कि यहोवा ने बाबेल के राजा के जूए को तोड़ डाला है।

यिर्मयाह 28:9

कोई यह कैसे जान सकता है कि एक भविष्यद्वक्ता सचमुच यहोवा का भेजा हुआ है?

भविष्यद्वक्ता के वचन पूरा होंगे।

यिर्मयाह 28:10–11

हनन्याह यिर्मयाह का जूआ क्यों तोड़ते हैं?

वह चाहते हैं कि लोग विश्वास करें कि वे बाबेल से मुक्त हो जाएंगे।

यिर्मयाह 28:12–14

क्या हनन्याह के शब्द सत्य हैं?

नहीं, लोग बाबेल से मुक्त नहीं हो सकेंगे।

यिर्मयाह 28:15–17

यिर्मयाह के माध्यम से यहोवा का हनन्याह के लिए क्या वचन है?

यहोवा इस वर्ष हनन्याह को मार डालेंगे क्योंकि हनन्याह ने लोगों से यहोवा के विरुद्ध बलवा करने के लिए कहा।

यिर्मयाह 29:1

यिर्मयाह ने अपनी पत्री किसे भेजी?

यह उन साधारण लोगों के पास भेजा गया था जो बाबेल में बन्दियों के रूप में ले जाए गए थे।

यिर्मयाह 29:7

यहोवा ने बन्दियों से यह क्यों कहा कि वे उस नगर के कुशल की खोज करें जहाँ उन्हें बन्दी कराके भेज दिया गया था और उस नगर के लिए यहोवा से प्रार्थना करें?

उन्होंने उनसे यह करने के लिए कहा क्योंकि यदि नगर में कुशल होगी, तो बन्दियों को भी कुशल प्राप्त होगी।

यिर्मयाह 29:8–9

कैदियों के लिए यहोवा की चेतावनी यिर्मयाह के माध्यम से क्या है?

वह उन्हें चेतावनी देते हैं कि वे उन भावी कहनेवाले या भविष्यद्वक्ताओं की बात न सुनें जिन्हें यहोवा ने नहीं भेजा है।

यिर्मयाह 29:10–11

सत्तर वर्षों के बाद बन्दियों के लिए यहोवा की क्या वाणी है?

वह उन्हें यहूदा वापस लाएंगे और उन्हें कुशल प्रदान करेंगे।

यिर्मयाह 29:12–14

वे यहोवा को कब पाएंगे?

वे उन्हें तब पाएंगे जब वे उन्हें पुकारेंगे, प्रार्थना करेंगे, और अपने सम्पूर्ण मन से उन्हें खोजेंगे।

यिर्मयाह 29:16–17

यहोवा उन लोगों के साथ क्या करने जा रहे थे जो नगर में रहे और बँधुआई में नहीं गए?

यहोवा ने कहा कि वे उन पर तलवार, अकाल, और मरी भेजने वाले हैं।

यिर्मयाह 29:20–21

यहोवा कहते हैं कि वे अहाब और सिदकिय्याह के साथ क्या करेंगे?

वह उन्हें नबूकदनेस्सर के हाथ में कर देंगे, जो उन्हें मार डालेंगे।

यिर्मयाह 29:22

बाबेल में यहूदा के बन्दी कौन सा श्राप की उपमा दिया करेंगे?

वे कहेंगे, "यहोवा तुझे सिदकिय्याह और अहाब के समान करे, जिन्हें बाबेल के राजा ने आग में भून डाला।"

यिर्मयाह 29:23

यहोवा अहाब और सिदकिय्याह को क्यों दंडित करेंगे?

वह उन्हें मार डालेंगे क्योंकि उन्होंने मूर्खता के काम किए हैं।

यिर्मयाह 29:24

शमायाह जब पत्र लिख रहा था तब वह कहाँ था?

वे बाबेल में थे।

यिर्मयाह 29:25

शमायाह ने जिन लोगों को पत्र लिखे थे, वे लोग कहाँ पर थे?

वे यरूशलेम में थे।

यिर्मयाह 29:26

शमायाह सपन्याह से क्या करवाना चाहता था?

वह चाहते थे कि सपन्याह भविष्यद्वक्ताओं को कैदी बना लें।

यिर्मयाह 29:28

शमायाह ने सपन्याह से यिर्मयाह को फटकारने के लिए क्यों कहा?

यिर्मयाह ने कहा था कि लोग बहुत काल तक बाबेल में बँधुआई में रहेंगे।

यिर्मयाह 29:31–32

यहोवा शमायाह और उनके वंश को क्यों दंडित करेंगे?

वह इसे करेंगे क्योंकि शमायाह ने लोगों से झूठी भविष्यद्वाणी की ताकि वे यहोवा के विरुद्ध बलवा करें।

यिर्मयाह 30:1–3

यहोवा अपने लोगों के लिए क्या करेंगे?

वह उनके अधिकार को पुनः स्थापित करेंगे और उन्हें भूमि पर लौटा लाएंगे।

यिर्मयाह 30:4–5

किसने "थरथरा देनेवाला शब्द" सुनी?

यहोवा, जो स्वयं को "हम" के रूप में संदर्भित कर रहे थे, वही थे जिन्होंने शब्द सुनी।

यिर्मयाह 30:6–7

युवा पुरुषों अपनी-अपनी कमर अपने हाथों से दबाए हुए क्यों हैं और उनके मुख फीके रंग के क्यों हो गए हैं?

याकूब के वंश के लिए यह संकट का समय होगा।

यिर्मयाह 30:8–9

इस्राएली गुलामी से मुक्ति का उत्सव कैसे मनाएंगे?

वे अपने परमेश्वर यहोवा की आराधना करेंगे और अपने राजा दाऊद की सेवा करेंगे।

यिर्मयाह 30:10

याकूब के वंश को विस्मित क्यों नहीं होना चाहिए?

यहोवा उन्हें उन स्थानों से लौटा ले आएंगे जहाँ उन्होंने उन्हें बन्दी बनाकर तित्तर बित्तर कर दिया था।

यिर्मयाह 30:12–13

इस्राएल के चोट को कैसे चंगा किया जा सकता है?

इसे चंगा नहीं किया जा सकता है।

यिर्मयाह 30:14–15

यहोवा इस्राएलियों को ताड़ना क्यों देते हैं?

यहोवा उनके बड़े अधर्म और भारी पापों के कारण इस्राएलियों को ताड़ना देते हैं।

यिर्मयाह 30:16–17

यहोवा उन लोगों के साथ क्या करेंगे जिन्होंने इस्राएल को लूटा है?

वह उनके शत्रुओं को उन्हें नष्ट करने, बन्दी बनाने और लूटने की अनुमति देंगे।

यिर्मयाह 30:17

यहोवा इस्राएल के लिए क्या करेंगे?

यहोवा इस्राएल के घावों को चंगा करेंगे।

यिर्मयाह 30:17

नगर के पुनर्निर्माण के बाद लोग क्या करेंगे?

वे धन्य कहेंगे, उनकी संख्या बढ़ेगी, और यहोवा उनका वैभव बढ़ाएंगे।

यिर्मयाह 30:20–21

यहोवा इस्राएल की मण्डली स्थिर करने के बाद क्या करेंगे?

वह इस्राएल के लिए एक महापुरुष नियुक्त करेंगे।

यिर्मयाह 31:1

यहोवा किनका परमेश्वर ठहरेंगे?

वे सारे इस्राएली कुलों का परमेश्वर ठहरेंगे।

यिर्मयाह 31:2–3

इस्राएल के प्रजा, जो तलवार से बच निकली, यहोवा की करुणा क्यों प्राप्त की?

उन्होंने करुणा पाया क्योंकि यहोवा ने उनसे सदा प्रेम रखा है।

यिर्मयाह 31:4–5

यहोवा के उसे फिर से बनाने के बाद इस्राएली कुमारी कन्या क्या करेगी?

वे आनन्द से नाचते हुए बाहर निकलेगी और अच्छी फल भी खाने पाएँगे।

यिर्मयाह 31:7

यहोवा ने किनका उद्धार किया है?

उन्होंने इस्राएल के बचे हुए लोगों का उद्धार किया है।

यिर्मयाह 31:8

यहोवा इस्राएल के बचे हुए लोगों को कहाँ से लौटा लाएँगे?

वह उन्हें उत्तर देश और पृथ्वी के कोने-कोने से इकट्ठे करके लौटा लाएँगे।

यिर्मयाह 31:10–11

"जिसने इस्राएलियों को तितर- बितर किया था" वह कौन हैं?

यहोवा ने इस्राएल को तितर- बितर किया।

यिर्मयाह 31:12

यहोवा की भलाई के चिन्ह क्या होंगे?

लोगों के पास प्रचुर मात्रा में अनाज, नया दाखमधु, टटका तेल, भेड़-बकरियाँ और गाय-बैलों के बच्चे होंगे।

यिर्मयाह 31:13

जब लोग शोक मनाना बंद कर देंगे, तो वे क्या करेंगे?

वे आनन्दित होंगे।

यिर्मयाह 31:15

रामाह नगर में विलाप और बिलक-बिलककर रोना क्यों है?

राहेल अपने बालकों की मृत्यु के कारण विलाप और रो रही हैं।

यिर्मयाह 31:16–17

लोगों को रोना क्यों बंद कर देना चाहिए?

यहोवा उनके वंश को शत्रुओं के देश से लौटा लाएँगे।

यिर्मयाह 31:18–20

यहोवा एप्रैम पर दया क्यों करेंगे?

वह दया करेंगे क्योंकि एप्रैम अपने पुराने पापों को स्मरण करने से लज्जित था।

यिर्मयाह 31:24

लोग क्यों कहेंगे, "यहोवा तुझे आशीष दे"?

वे कहेंगे कि लोग नगरों में रहेंगे, जबकि किसान और चरवाहे भी उसमें इकट्ठे बसेंगे।

यिर्मयाह 31:27–28

यहोवाइस्राएल और यहूदा के घरानों के साथ क्या करेंगे जिन्हें उन्होंने उखाड़ा और गिरा दिया?

यहोवा उन पर नजर रखेंगे ताकि वे उन्हें बढ़ा सकें और स्थापित कर सकें।

यिर्मयाह 31:29–30

वह कहावत कौन सी है जिसका इस्राएल और यहूदा के लोग अब उपयोग नहीं करेंगे?

कहावत है, "पिताओं ने तो खट्टे अंगूर खाए, परन्तु उनके वंश के दाँत खट्टे हो गए हैं।"

यिर्मयाह 31:30

लोग अब उस कहावत का उपयोग क्यों नहीं करेंगे?

हर एक मनुष्य अपने ही अधर्म के कारण मारा जाएगा।

यिर्मयाह 31:33–34

यहोवा इस्राएल और यहूदा के घराने के साथ कौन सी नई वाचा बाँधेंगे?

नई वाचा यह है: यहोवा अपनी व्यवस्था उनके हृदय पर लिखेंगे।

यिर्मयाह 31:35–36

इस्राएल तब तक एक जाति ठहरा रहेगा जब तक कि क्या समाप्त नहीं हो जाता?

जब तक सूर्य, चन्द्रमा, तारागण और समुद्र के नियम ठहराए हैं, तब तक वे एक जाति ठहरा रहेगा।

यिर्मयाह 31:37

यहोवा इस्राएल के वंश को केवल तभी त्यागेंगे जब दो चीजें हो चुकी हों?

वे एक जाति बने रहेंगे जब तक कि कोई सबसे ऊपर आकाश को माप नहीं लेता या पृथ्वी की नींव खोद खोदकर पता नहीं लगा लेता।

यिर्मयाह 31:38–40

जब नगर का पुनर्निर्माण होगा, तो क्या यह पहले से महान होगा या नहीं?

यह महान होगा।

यिर्मयाह 32:1–2

जब यहोवा ने यिर्मयाह को वचन पहुँचाया, तब वह कहाँ थे?

यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता यहूदा के राजा के पहरे के भवन के आँगन में कैदी थे।

यिर्मयाह 32:2

बाबेल के राजा की सेना क्या कर रही थी?

वे यरूशलेम को घेर रहे थे।

यिर्मयाह 32:3–5

सिदकिय्याह ने यिर्मयाह को कैद क्यों किया?

सिदकिय्याह ने उन्हें कैद कर दिया क्योंकि यिर्मयाह ने भविष्यद्वाणी की थी कि यरूशलेम और सिदकिय्याह बाबेल द्वारा कब्जा कर लिए जाएंगे।

यिर्मयाह 32:6–7

यहोवा ने यिर्मयाह से क्या कहा कि क्या होने वाला है?

यहोवा ने यिर्मयाह से कहा कि शल्लूम का पुत्र हनमेल, जो उनका चचेरा भाई हैं, यिर्मयाह के पास आएंगे और कहेंगे, "मेरा खेत जो अनातोत में है उसे मोल ले, क्योंकि उसे मोल लेकर छुड़ाने का अधिकार तेरा ही है।"

यिर्मयाह 32:10–12

यिर्मयाह ने खेत मोल लेने की प्रक्रिया कैसे पूरी की?

यिर्मयाह ने मोल लेने की दस्तावेज में मुहर लगाई और दस्तखत किए, और उन सब यहूदियों के सामने भी जो पहरे के आँगन में बैठे हुए थे, नेरिय्याह के पुत्र बारूक को जो महसेयाह का पोता था, सौंप दिया।

यिर्मयाह 32:13–14

यिर्मयाह ने बारूक से मुहर की हुई दस्तावेजों के साथ क्या करने के लिए कहा?

यिर्मयाह ने बारूक से कहा की वह मोल लेने की दस्तावेजों को जिन पर मुहर की हुई है और जो खुली हुई है उसको लें और उन्हें एक मिट्टी के बर्तन में सुरक्षित रखें।

यिर्मयाह 32:15

यहोवा इस खेत को मोल लेने के माध्यम से कौन सा आशा का वचन देना चाहते थे?

यहोवा चाहते थे कि सभी लोग जानें कि लोग फिर से देश में घर और खेत और दाख की बारियाँ फिर बेची और मोल ले सकेंगे।

यिर्मयाह 32:16–17

यहोवा ने आकाश और पृथ्वी कैसे बनाए?

उन्होंने अपने बड़े सामर्थ्य और बढ़ाई हुई भुजा से आकाश और पृथ्वी को बनाया है।

यिर्मयाह 32:21

यहोवा ने अपने नाम की बढ़ाई कैसे किया?

उन्होंने अपनी प्रजा इस्राएल को मिस्र देश में से बाहर निकाल लाया।

यिर्मयाह 32:23

यहोवा ने जब उन्हें देश दी, तो इस्राएल के लोगों ने क्या किया?

उन्होंने उनकी बात नहीं मानी।

यिर्मयाह 32:25

जब यरूशलेम नगर कसदियों के वश में कर दिया गया, तब यहोवा ने यिर्मयाह से क्या करने के लिए कहा?

उन्होंने उनसे एक खेत को मोल लेने को कहा।

यिर्मयाह 32:28

नबूकदनेस्सर नगर पर कब्जा क्यों कर सकेंगे?

यहोवा उन्हें वह नगर देंगे।

यिर्मयाह 32:31–32

यरूशलेम यहोवा के जलजलाहट के भड़कने का कारण कितने समय तक रहा था?

यरूशलेम यहोवा के जलजलाहट के भड़कने का कारण तब से बना हुआ है जब से यह नगर बसा है।

यिर्मयाह 32:33–35

इस्राएल के लोगों ने यहोवा को किस प्रकार उकसाया?

उन्होंने यहोवा से मुँह फेर लिया, भवन में घृणित वस्तुएँ स्थापित की, बाल के ऊँचे-ऊँचे स्थान बनाए, और अपने बेटे-बेटियों को मोलेक के लिये होम किया।

यिर्मयाह 32:36–37

यहोवा यहूदा के लोगों के लिए क्या करने का वादा करते हैं, भले ही वे दुष्ट रहे हों?

वह वादा करते हैं कि वह उन्हें जहाँ वे हैं वहाँ से इकट्ठा करेंगे और उन्हें इसी नगर में लौटा ले आएंगे।

यिर्मयाह 32:38–40

यहोवा यहूदा के लोगों के लिए कैसे प्रबंध करेंगे?

वह उन्हें एक ही मन और एक ही चाल देंगे ताकि वे उनका सदा भय मानते रहें, और वह उनके साथ एक अनंत वाचा स्थापित करेंगे।

यिर्मयाह 32:42

जैसे यहोवा ने अपनी इस प्रजा पर बड़ी विपत्ति डाल दी, भविष्य में वह उनके साथ और क्या करने वाले थे?

यहोवा ने कहा कि वे उन पर वे सब भलाई भी लाएंगे जिसके करने का वचन उन्होंने दिया है।

यिर्मयाह 33:1–3

यहोवा यिर्मयाह से क्या करने के लिए कहते हैं?

यहोवा यिर्मयाह से कहते हैं कि वे उनसे प्रार्थना करें।

यिर्मयाह 33:4–5

नगर के घरों के साथ कसदियों का क्या इरादा है?

वे घरों को लोथों से भरने वाले हैं।

यिर्मयाह 33:6–8

यिर्मयाह यहूदा के लोगों के साथ कौन सी शुभ समाचार साझा करते हैं?

यहोवा लोगों के अधर्म और अपराध के काम को क्षमा करेंगे, उन्हें चंगा करेंगे, और उन्हें शान्ति प्रदान करेंगे।

यिर्मयाह 33:9

यरूशलेम का नगर यहोवा के लिए किस बात का कारण हो जाएँगे?

यरूशलेम यहोवा के लिए स्तुति और शोभा का कारण हो जाएँगे।

यिर्मयाह 33:12–13

यहूदा के नगर कैसे परिवर्तित होंगे?

नगर अब उजाड़ हैं, लेकिन इसी में भेड़-बकरियाँ बैठानेवाले चरवाहे फिर बसेंगे।

यिर्मयाह 33:14–16

यहोवा ने यहूदा और यरूशलेम के लोगों के लिए क्या करने का प्रतिज्ञा किया है?

यहोवा ने वादा किया है कि वह दाऊद के वंश को उनका राजा बनाएंगे ताकि वे इस देश में न्याय और धार्मिकता के काम करेगा।

यिर्मयाह 33:17–18

यहोवा ने यिर्मयाह से क्या प्रतिज्ञा की?

वह यह वादा करते हैं कि दाऊद के कुल में इस्राएल के घराने की गद्दी पर विराजनेवाले सदैव बने रहेंगे और लेवीय याजकों के कुलों में बलिदान चढ़ाने के लिए सदैव बने रहेंगे।

यिर्मयाह 33:20–21

यहोवा दाऊद के साथ अपनी वाचा कब तोड़ेंगे?

वे इसे कभी नहीं तोड़ेंगे।

यिर्मयाह 33:22

दाऊद के कितने वंश हैं?

दाऊद के अनगिनत वंश होंगे कि कोई उनकी गिनती नहीं कर सकेगा।

यिर्मयाह 33:23–24

लोगों ने यहोवा द्वारा यहूदा के दण्ड के बारे में क्या घोषणा की है?

लोगों ने घोषणा की है कि यहोवा ने अब उन दो कुलों को तुच्छ जानते है जिन्हें उन्होंने चुना था, इसलिए वे अब एक जाति नहीं हैं।

यिर्मयाह 33:25–26

यहोवा याकूब के वंश को कब अस्वीकार करेंगे?

वह उन्हें कभी अस्वीकार नहीं करेंगे।

यिर्मयाह 34:1

यिर्मयाह को यहोवा से वचन कब पहुँचा?

जब बाबेल का राजा नबूकदनेस्सर अपनी सारी सेना समेत यरूशलेम और उसके सब गाँवों से लड़ रहा था, तब यहोवा का यह वचन यिर्मयाह के पास पहुँचा।

यिर्मयाह 34:2–3

यहोवा ने यिर्मयाह से क्या कहा था?

उन्होंने कहा कि वह नगर को नबूकदनेस्सर के वश में कर देने जा रहे थे।

यिर्मयाह 34:4–5

यहोवा ने यहूदा के राजा सिदकिय्याह से क्या कहा था?

उन्होंने सिदकिय्याह से कहा कि वह शान्ति के साथ मरेगा।

यिर्मयाह 34:10–11

यरूशलेम में हाकिमों और सारी प्रजा ने इस्राएली दास दासियों को स्वतंत्र करने के बाद क्या किया?

लोगों ने अपने सभी दास दासियों को स्वतंत्र कर दिया, लेकिन बाद में उन्होंने अपना विचार बदल लिया और अपने दास दासियों को फिर से अपने वश में लाकर दास और दासी बना लिया।

यिर्मयाह 34:12–14

यहोवा ने इस्राएलियों के पितरों को हर सात साल में क्या करने का आज्ञा दिया था?

उन्होंने हर सात साल में अपने दासों को स्वतंत्र करने का आज्ञा दिया था।

यिर्मयाह 34:15–16

यहूदा के लोगों ने क्या बुरा किया?

उन्होंने अपने दासों को स्वतंत्र कर दिया, लेकिन फिर उन्हें पुनः दास बनने के लिए अपने वश में कर लिया है।

यिर्मयाह 34:17

यहोवा उन्हें कैसे दण्ड देंगे?

वे तलवार, मरी और अकाल से मारे जाएंगे।

यिर्मयाह 34:18–19

लोगों ने कैसे दिखाया कि वे वाचा से सहमत हैं?

उन्होंने एक बछड़े को दो भाग करके उसके दोनों भागों के बीच होकर गए।

यिर्मयाह 34:20

यहोवा यहूदा के लोगों पर अपने क्रोध को कैसे प्रकट करेंगे?

वह उन्हें उनके शत्रुओं के वश में कर देंगे, जो उन्हें मार डालेंगे।

यिर्मयाह 34:21–22

यरूशलेम के नगर का भविष्य क्या होगा?

यहोवा बाबेल के राजा की सेना को लौटा ले आएंगे ताकि वे यरूशलेम के विरुद्ध लड़कर इसे फूँक देंगे, जिससे कोई उनमें न रहेगा।

यिर्मयाह 35:1–2

यहोवा ने यिर्मयाह से क्या करने के लिए कहा?

यहोवा ने यिर्मयाह से कहा कि वे रेकाबियों को यहोवा के भवन की एक कोठरी में ले जाकर दाखमधु पीने दें।

यिर्मयाह 35:5–6

जब रेकाबियों के घराने को दाखमधु पीने के लिए दिया गया, तो उन्होंने क्या प्रतिक्रिया दी?

जब रेकाबियों के घराने को दाखमधु पीने के लिए दिया गया, तो उन्होंने इसे पीने से इनकार कर दिया।

यिर्मयाह 35:6

रेकेबियों ने दाखमधु पीने से क्यों इनकार किया?

रेकाबियों ने दाखमधु पीने से इनकार कर दिया, क्योंकि उनके पुरखा, रेकाब के पुत्र योनादाब ने उन्हें आज्ञा दी थी, 'तुम कभी दाखमधु न पीना; न तुम, न तुम्हारे पुत्र।

यिर्मयाह 35:7

योनादाब ने रेकाबियों के घर न बनाने, बीज न बोने और दाख की बारी न लगाने का आज्ञा क्यों दिया?

योनादाब ने उन्हें यह आज्ञा दिया क्योंकि उन्हें जीवन भर तम्बुओं ही में रहना था।

यिर्मयाह 35:8–11

रेखाबियों ने योनादाब की आज्ञा का पालन कैसे किया?

रेकेबियों ने कभी दाखमधु नहीं पिया था और न ही घर बनाए थे।

यिर्मयाह 35:11

रेकेबी यरूशलेम में क्यों रह रहे थे?

कसदियों और अरामियों के दलों के डर के मारे यरूशलेम में रह रहे थे।

यिर्मयाह 35:12–14

यहोवा ने यहूदा देश के लोगों के लिए रेकाबियों का सकारात्मक उदाहरण कैसे प्रस्तुत किया?

यहोवा चाहते थे कि यहूदा के लोग उनकी वैसे ही आज्ञा मानें जैसे रेकाबियों ने योनादाब की आज्ञा मानी थी।

यिर्मयाह 35:15

नबियों ने यहूदा के लोगों से क्या कहा था?

नबियों ने उनसे बुरी चाल से फिरने, अपने काम सुधारने, दूसरे देवताओं के पीछे जाना बंद करने और देश में लौटने को कहा।

यिर्मयाह 35:17

यहोवा यहूदा के लोगों की अवज्ञा के कारण क्या करेंगे?

यहोवा उन पर वे सभी विपत्ति लाएँगे जिनकी उन्होंने उनके विरुद्ध सुनाया था।

यिर्मयाह 35:18–19

यहोवा यिर्मयाह के माध्यम से रेकाबियों के घराने को क्या वादा करते हैं?

यहोवा वादा करते हैं कि हमेशा उनके घराने से कोई न कोई उनके सम्मुख खड़ा रहेगा।

यिर्मयाह 36:1–3

यहोवा ने यिर्मयाह से अपनी बातें एक पुस्तक पर लिखवाने की इच्छा क्यों की?

यहोवा चाहते थे कि यिर्मयाह उनकी बातें एक पुस्तक पर लिखें ताकि यहूदा के लोग यहोवा की सुन सकें और यहोवा उनके अधर्म और पाप को क्षमा कर सकें।

यिर्मयाह 36:4–6

यिर्मयाह ने बारूक को क्या करने का आज्ञा दिया?

यिर्मयाह ने बारूक को आज्ञा दी कि वह यिर्मयाह के शब्दों वाला पुस्तक लेकर उसे बारूक के परिवार और यहूदा के लोगों को पढ़कर सुनाए।

यिर्मयाह 36:7–8

यिर्मयाह बारूक से उस पुस्तक को पढ़ने के लिए क्यों चाहते थे?

यिर्मयाह को आशा थी कि लोग सुनेंगे और अपनी-अपनी बुरी चाल से फिर जाएंगे।

यिर्मयाह 36:9–10

यहोवा के सम्मान में घोषित उपवास के दौरान क्या घटनाएँ घटित हुईं?

बारूक ने यहोवा के भवन में यिर्मयाह के वचनों को पढ़ा ताकि सभी लोग उन्हें सुन सकें।

यिर्मयाह 36:12

जब मिकायाह ने बारूक को पुस्तक से पढ़ते हुए सुना, तब उन्होंने क्या किया?

वे राजभवन के प्रधान की कोठरी में उतर गया।

यिर्मयाह 36:13–14

जब हाकिमों ने मीकायाह की वचन सुनी, तो उन्होंने क्या किया?

उन्होंने यहूदी को बारूक को उनके पास लाने के लिए भेजा, और बारूक से उस पुस्तक को पढ़ने के लिए कहा।

यिर्मयाह 36:16

बारूक द्वारा पुस्तक पढ़ने के बाद क्या हुआ?

जिन लोगों ने बारूक को पढ़ते सुना, वे थरथराते हुए एक दूसरे को देखने लगे और उन्होंने निर्णय लिया कि वे निश्चय राजा से इन सब वचनों का वर्णन करें।

यिर्मयाह 36:17–19

जब बारूक ने हाकिमों को बताया कि उन्होंने यिर्मयाह के शब्दों को पुस्तक पर लिखा है, तो हाकिमों ने उन्हें क्या सलाह दी?

उन्होंने उसे बताया कि उन्हें और यिर्मयाह को छिपना होगा और किसी को यह नहीं बताना चाहिए कि वे कहाँ हैं।

यिर्मयाह 36:23

राजा ने यहूदी द्वारा पुस्तक पढ़े जाने पर कैसी प्रतिक्रिया दी?

राजा ने उन अंशों को काट दिया जिन्हें यहूदी ने पढ़ा था और उन्हें आग में जलाया जब तक की पूरी पुस्तक जलकर भस्म न हो गई हो।

यिर्मयाह 36:24

राजा और उनके कर्मचारियों ने कैसे दिखाया कि वे पुस्तक में लिखे शब्दों का पालन नहीं करेंगे?

वे न तो डरे थे, और न ही उन्होंने अपने कपड़े फाड़े।

यिर्मयाह 36:25

जब कई लोगों ने राजा से आग्रह किया कि वे पुस्तक को न जलाएं, तो राजा ने क्या किया?

उन्होंने उनकी एक न सुनी।

यिर्मयाह 36:27–29

राजा द्वारा पुस्तक जलाने के बाद यहोवा ने यिर्मयाह से क्या करने के लिए कहा?

उन्होंने यिर्मयाह से कहा कि बारूक से एक नए पुस्तक पर वे सब वचन लिखवाएं जो पहली पुस्तक पर थे।

यिर्मयाह 36:30–31

यहोवा ने कहा कि वह यहोयाकीम के साथ क्या करेंगे?

उन्होंने कहा कि वह यहोयाकीम के किसी भी वंश को गद्दी पर विराजमान होने नहीं देंगे, और वह यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी यहोयाकीम के लोथ को मिट्टी न दे सके।

यिर्मयाह 37:1

सिदकिय्याह को राजा किसने ठहराया?

नबूकदनेस्सर ने उन्हें राजा ठहराया।

यिर्मयाह 37:1–2

जब यिर्मयाह ने यहोवा के वचन सुनाए, तो राजा सिदकिय्याह ने किस प्रकार प्रतिक्रिया व्यक्त की?

सिदकिय्याह ने यहोवा के वचनों को नहीं माना।

यिर्मयाह 37:3

राजा सिदकिय्याह और सपन्याह ने यिर्मयाह से क्या करने के लिए कहा था?

उन्होंने उनसे परमेश्वर यहोवा से उनके लिए प्रार्थना करने को कहा।

यिर्मयाह 37:5

क्यों कसदी यरूशलेम के पास से चले गएड़ा?

वे फ़िरौन की सेना से दूर जाना चाहते थे, जो मिस्र से निकली थी।

यिर्मयाह 37:6–8

यहोवा ने यिर्मयाह से पूछा कि फ़िरौन की सेना के मिस्र लौटने के बाद क्या होगा?

उन्होंने कहा कि कसदी वापिस आकर इस नगर से लड़ेंगे; वे इसको ले लेंगे और फूँक देंगे।

यिर्मयाह 37:7

फिरौन की सेना मिस्र से क्यों निकल रही थी?

वे यहूदा के लोगों की सहायता करने के लिए कसदियों से युद्ध करने जा रहे थे।

यिर्मयाह 37:11–12

यिर्मयाह ने यरूशलेम से क्यों निकले?

यिर्मयाह यरूशलेम से निकलकर कुछ जमीन पर अपना अंश लेने के लिए चले गए।

यिर्मयाह 37:13

यिरिय्याह ने क्या सोचा कि यिर्मयाह क्या करने वाले थे?

यिरिय्याह ने सोचा कि यिर्मयाह कसदियों (बाबेलियों) के पास भागा जा रहे थे।

यिर्मयाह 37:14–15

जब यिर्मयाह ने यिरिय्याह से कहा कि वह कसदियों के पास नहीं जा रहे हैं, तो यिरिय्याह ने क्या किया?

यिरिय्याह ने यिर्मयाह को पकड़कर हाकिमों के पास ले गया, जिन्होंने उन्हें पीटा और उन्हें बन्दीगृह में डाल दिया।

यिर्मयाह 37:16–17

जब सिदकिय्याह ने पूछा कि क्या यिर्मयाह के पास यहोवा से कोई वचन है, तो यिर्मयाह ने उसे क्या उत्तर दिया?

यिर्मयाह ने सिदकिय्याह से कहा कि यहोवा सिदकिय्याह को बाबेल के राजा के वश में कर देंगे।

यिर्मयाह 37:18–20

यिर्मयाह योनातान प्रधान के घर वापस क्यों नहीं जाना चाहते थे?

उन्हें डर था कि वे वहीं पर मर जाएँगे।

यिर्मयाह 37:21

राजा सिदकिय्याह ने यिर्मयाह की विनती का क्या उत्तर दिया?

उन्होंने अपने सेवकों से यिर्मयाह को पहरे के आँगन में रखवाया।

यिर्मयाह 38:2

जो कोई नगर में रहेंगे, उनके साथ क्या होगा?

वे तलवार, अकाल और मरी से मरेंगे।

यिर्मयाह 38:2 (#2)

लोग कैसे जीवित रह सकते हैं?

वे कसदियों के पास जाकर जीवित रह सकते हैं।

यिर्मयाह 38:3

नगर का भविष्य क्या होगा?

कसदी (बाबेलियों) इसे अपने वश में ले लेंगे।

यिर्मयाह 38:4

हाकिमों ने यिर्मयाह को मरने के लिए क्यों चाहा?

वे चाहते थे कि वह मर जाए क्योंकि वह योद्धाओं से कह रहे थे कि वे मरूभूमि में जाकर कसदियों के पास चले जाएं।

यिर्मयाह 38:6

हाकिमों ने यिर्मयाह के साथ क्या किया?

उन्होंने उसे एक गड्ढे में डाल दिया।

यिर्मयाह 38:7-8

एबेदमेलेक ने राजा से यिर्मयाह के विषय में क्या कहा?

उन्होंने राजा से कहा कि हाकिमों ने यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता के साथ जिस तरह से व्यवहार किया, वह अनुचित था। उन्होंने उन्हें भूख से मरने के लिए एक गड्ढे में डाल दिया।

यिर्मयाह 38:10

राजा सिदकिय्याह ने एबेदमेलेक को यिर्मयाह के बारे में क्या आज्ञा दी?

राजा सिदकिय्याह ने एबेदमेलेक को आज्ञा दी कि वे तीस पुरुष साथ लेकर यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता को मरने से पहले गड्ढे में से निकाले।

यिर्मयाह 38:15

यिर्मयाह को क्या लगा कि सिदकिय्याह क्या करेंगे अगर यिर्मयाह उन्हें सत्य बताएंगे?

उन्होंने सोचा कि सिदकिय्याह उन्हें मार डालेंगे।

यिर्मयाह 38:16

सिदकिय्याह ने यिर्मयाह को उत्तर देने के लिए कैसे सहमत किया?

सिदकिय्याह ने यहोवा की शपथ ली कि वह उन्हें नहीं मारेगा।

यिर्मयाह 38:17-18

यिर्मयाह ने सिदकिय्याह से क्या कहा था?

यिर्मयाह ने सिदकिय्याह से कहा कि यदि वह कसदियों के पास जाएंगे तो वे जीवित रहेंगे, लेकिन यदि वह नहीं गए, तो वे और नगर फूँक दिया जाएंगे।

यिर्मयाह 38:19

राजा सिदकिय्याह यहूदा के उन लोगों से क्यों डरते थे जिन्होंने कसदियों के पास भाग गए और शरण ली थी?

उन्हें डर था कि नबूकदनेस्सर उन्हें उनके वश में कर देंगे और वे उनकी ठट्ठा करेंगे।

यिर्मयाह 38:20

यिर्मयाह ने राजा सिदकिय्याह को क्या आश्वासन दिया था?

उन्होंने राजा सिदकिय्याह से कहा कि यदि सिदकिय्याह यहोवा की बात समझकर मान ले, तो नबूकदनेस्सर लोगों को सिदकिय्याह के साथ बुरा व्यवहार करने की अनुमति नहीं देगा।

यिर्मयाह 38:22-23

यदि सिदकिय्याह बाहर जाने से इंकार कर दें तो स्त्रियाँ क्या करेंगी?

वे उन्हें डांटते और ताने देते।

यिर्मयाह 38:24-26

सिदकिय्याह ने यिर्मयाह से पूछा कि यदि कोई पूछे कि उन्होंने और सिदकिय्याह ने क्या बातचीत की, तो वह क्या उत्तर दें?

उन्होंने यिर्मयाह से कहा कि वे उन्हें बताएं कि यिर्मयाह उनसे विनती करने गए थे कि यिर्मयाह को योनातान के घर में फिर वापिस न भेजा जाए ताकि वे मर न जाएं।

यिर्मयाह 38:27-28

जब यहूदा के घर के हाकिमों ने यिर्मयाह से प्रश्न किया, तब क्या हुआ?

यिर्मयाह ने उन्हें बताया कि सिदकिय्याह ने उनसे क्या कहने के लिए कहा था।

यिर्मयाह 39:1

कौन अपनी सेना के साथ यरूशलेम पर चढ़ाई करने आया और उसे घेर लिया?

नबूकदनेस्सर ने यह कार्य किया।

यिर्मयाह 39:2

किस नगर की शहरपनाह तोड़ी गई?

यरूशलेम के नगर की शहरपनाह तोड़ी गई।

यिर्मयाह 39:3

कौन आकर बीच के फाटक में प्रवेश करके बैठ गए?

बाबेल के राजा के सब हाकिम बीच के फाटक में प्रवेश करके बैठ गए।

यिर्मयाह 39:4

जब सिदकिय्याह और सब योद्धाओं ने बाबेल के राजा के हाकिम को बीच के फाटक में देखा, तो उन्होंने क्या किया?

वे रात ही रात नगर से निकलकर भाग चले।

यिर्मयाह 39:5

जब कसदियों (बाबेलियों) की सेना ने सिदकिय्याह को पकड़ा, तो उन्होंने क्या किया?

उन्होंने उनको खदेड़कर नबूकदनेस्सर के पास ले आए।

यिर्मयाह 39:6

जब सिदकिय्याह को नबूकदनेस्सर के सामने लाया गया, तो उन्होंने क्या किया?

उन्होंने सिदकिय्याह के पुत्रों को और सब कुलीन यहूदियों को घात किया।

यिर्मयाह 39:7

बाबेल के राजा ने सिदकिय्याह के साथ क्या किया?

उसने सिदकिय्याह की आँखों को निकाल डाला और उसको बाबेल ले जाने के लिये बेड़ियों से जकड़वा रखा।

यिर्मयाह 39:8

कसदियों (बाबेलियों) ने यरूशलेम के घरों और शहरपनाह का क्या किया?

उन्होंने उन्हें आग लगाकर फूँक दिया।

यिर्मयाह 39:9

नबूजरदान ने किन्हें बँधुआई में ले लिया?

उन्होंने उन लोगों को बंदी बना लिया जो नगर में रह गए थे और जो लोग कसदियों के पास चले गए थे।

यिर्मयाह 39:10

नबूजरदान ने किन लोगों को यहूदा देश में निवास करने की अनुमति दी?

उन्होंने प्रजा में से जो ऐसे कंगाल थे उनको रहने की अनुमति दी।

यिर्मयाह 39:10 (#2)

नबूजरदान ने उन लोगों को क्या दिया जो बच गए थे?

नबूजरदान ने उन लोगों को दाख की बारियाँ और खेत दे दिए जो बच गए थे।

यिर्मयाह 39:11–12

नबूकदनेस्सर ने नबूजरदान को यिर्मयाह के विषय में क्या करने का आज्ञा दी?

नबूकदनेस्सर ने नबूजरदान से यिर्मयाह को लेकर उस पर कृपादृष्टि बनाए रखने और जो कुछ भी यिर्मयाह उनसे करने के लिए कहें, उसे करने के लिए कहा।

यिर्मयाह 39:14

नबूजरदान, नेर्गलसरेसेर और बाबेल के राजा के सब प्रधानों ने यिर्मयाह के साथ क्या किया?

वे यिर्मयाह को पहरे के आँगन से ले गए और उन्हें गदल्याह को सौंप दिया ताकि वह यिर्मयाह को घर पहुँचाए।

यिर्मयाह 39:15–16

यहोवा ने यिर्मयाह से एबेदमेलेक कूशी से क्या कहने के लिए कहा?

यहोवा ने यिर्मयाह से कहा कि वह एबेदमेलेक कूशी से कहें कि यहोवा नगर पर विपत्ति लाने वाले हैं।

यिर्मयाह 39:17

यहोवा ने कहा कि जिस दिन वह नगर के खिलाफ अपने वचनों को पूरा करेंगे, उस दिन एबेदमेलेक के साथ क्या होगा?

उन्होंने कहा कि वे एबेदमेलेक को बचाएंगे।

यिर्मयाह 39:18

यहोवा एबेदमेलेक को तलवार से क्यों बचाएंगे?

वह एबेदमेलेक को बचाएंगे क्योंकि उन्होंने यहोवा पर भरोसा रखा है।

यिर्मयाह 40:1

नबूजरदान ने यिर्मयाह को रामाह से भेजने के बाद उसके पास क्या पहुँचा?

यहोवा का वचन यिर्मयाह के पास तब पहुँचा जब नबूजरदान ने उन्हें रामाह से भेजा था।

यिर्मयाह 40:2

नबूजरदान यरूशलेम और यहूदा के लोगों के साथ क्या करने वाले थे?

वह उन्हें बाबेल भेजने वाले थे।

यरमियाह 40:2 (#2)

अंगरक्षकों के प्रधान ने यिर्मयाह को यहोवा और यरूशलेम के विषय में क्या बताया?

अंगरक्षकों के प्रधान ने कहा कि यहोवा ने उस स्थान के विरुद्ध विपत्ति का आदेश दिया था।

यिर्मयाह 40:4

अंगरक्षकों के प्रधान ने पूछा कि यिर्मयाह उनके संग कहाँ जा सकते हैं?

उसने कहा कि यिर्मयाह उसके साथ बाबेल जा सकते हैं या देश में जहाँ भी वे जाना चाहते हैं, जा सकते हैं।

यिर्मयाह 40:5

अंगरक्षकों के प्रधान ने यिर्मयाह को किसके पास जाने को कहा?

उन्होंने कहा कि यिर्मयाह को गदल्याह के पास जाना चाहिए, जो यहूदा के नगरों पर अधिकारी है।

यिर्मयाह 40:6

यिर्मयाह कहाँ गए और कहाँ ठहरे?

यिर्मयाह गदल्याह के पास गए और वहाँ उन लोगों के बीच जो देश में रह गए थे, रहने लगे।

यिर्मयाह 40:7-8

यहूदी सैनिकों के प्रधानों और उनके जनों ने क्या किया जब उन्होंने सुना कि गदल्याह को उन लोगों पर अधिकारी ठहराया गया है जिन्हें बाबेल निर्वासित नहीं किया गया था?

वे गदल्याह के पास मिस्पा में आए।

यिर्मयाह 40:9

गदल्याह ने यहूदी सैनिकों के प्रधानों और उनके जनों से क्या करने के लिए कहा?

उन्होंने कहा कि यदि वे कसदियों और बाबेल के राजा के अधीन रहेंगे और देश में रहेंगे, तो उनके साथ सब कुछ भला होगा।

यिर्मयाह 40:10

गदल्याह ने यहूदी सैनिकों के प्रधानों और उनके जनों को क्या करने को कहा ताकि वे दाखमधु और धूपकाल के फल और तेल की बटोर सकें?

उन्होंने उन्हें बताया कि उन्हें उन नगरों में बसे रहना चाहिए जिन्हें उन्होंने कब्ज़ा कर रखा है।

यिर्मयाह 40:11–12

जब यहूदियों ने सुना कि बाबेल के राजा ने यहूदियों में से कुछ लोगों को बचा लिया, तो उन्होंने क्या किया?

यहूदी हर उस स्थान से यहूदा लौट आए जहाँ वे तितर-बितर हुए थे, और वे दाखमधु और धूपकाल के फल बटोरने लगे।

यिर्मयाह 40:13–14

योहानान और योद्धाओं के सब दलों के प्रधान ने मिस्पा में गदल्याह से क्या पूछा?

उन्होंने उससे पूछा कि क्या वह जानता है कि अम्मोनियों के राजा बालीस ने इश्माएल को उन्हें जान से मारने के लिये भेजा है।

यिर्मयाह 40:14

गदल्याह ने योहानान और योद्धाओं के सब दलों के प्रधान द्वारा कही गई बातों के बारे में क्या विचार किया?

उन्होंने उन पर विश्वास नहीं किया।

यिर्मयाह 40:15

योहानान ने गदल्याह से क्या कहा कि वे क्या करना चाहते हैं?

वे इश्माएल को मारना चाहते थे।

यिर्मयाह 40:16

गदल्याह ने इश्माएल के बारे में योहनान के शब्दों पर क्या विचार किया?

गदल्याह ने सोचा कि योनातान इश्माएल के बारे में झूठ बोल रहे थे।

यिर्मयाह 41:1–3

इश्माएल और उनके साथ दस लोग गदल्याह के संग भोजन करने क्यों आए थे?

वे गदल्याह को मार डालना चाहते थे।

यिर्मयाह 41:2–3

इश्माएल और उनके आदमियों ने किसे मारा?

उन्होंने गदल्याह, उन सभी यहूदियों को भी जो उनके साथ थे, और कसदियों के योद्धा जो वहाँ मिले उन सभी को मार डाला।

यिर्मयाह 41:4–5

इश्माएल द्वारा गदल्याह को मार डालने के दूसरे दिन कौन आया?

अस्सी पुरुष शेकेम और शीलो और सामरिया से आए।

यिर्मयाह 41:5

वे कहाँ जाते दिखाई दिए?

वे यहोवा के भवन में जाते दिखाई दिए।

यिर्मयाह 41:6

इश्माएल ने उन अस्सी पुरुषों से क्या कहा?

उन्होंने उन्हें गदल्याह के पास चलने को आमंत्रित किया।

यिर्मयाह 41:7

जब अस्सी पुरुष नगर में आए, तो इश्माएल और उनके संगी जनों ने उनके साथ क्या किया?

उन्होंने पुरुषों का घात करके गड्ढे में फेंक दिया।

यिर्मयाह 41:8

उन्होंने अस्सी में से दस मनुष्य को क्यों नहीं मारा?

दस मनुष्य ने उन्हें बताया कि उनके पास भोजन सामग्री है।

यिर्मयाह 41:9

इश्माएल ने उन लोगों की सब लोथें जिन्हें उसने मारा था कहाँ डाली थीं?

उन्होंने उन्हें उस गड्ढे में फेंक दिया जो राजा आसा ने खुदवाया था।

यिर्मयाह 41:10

इश्माएल ने मिस्पा में जो लोग मिस्पा में बचे हुए थे उनके साथ क्या किया?

इश्माएल ने मिस्पा में जो लोग मिस्पा में बचे हुए थे उनको पकड़ लिया और उन्हें अम्मोनियों के पास ले जाने लगे।

यिर्मयाह 41:11–12

योहानान और योद्धाओं के दलों के उन सब प्रधानों ने क्या किया जब उन्होंने सुना कि इश्माएल ने क्या किया था?

वे अपने सब जनों को लेकर इश्माएल के विरुद्ध लड़ने को निकले।

यिर्मयाह 41:13–14

जब इश्माएल के साथ के सभी लोगों ने योहानान और योद्धाओं के दलों के उन सब प्रधानों को देखा, तब उन्होंने क्या किया?

वे अत्यंत आनन्दित हुए और योहानान के पास चले आए।

यिर्मयाह 41:15

इश्माएल और उनके लोग योहानान के हाथ से बचकर कहाँ गए?

वे अम्मोनियों के पास चला गए।

यिर्मयाह 41:17

योहानान और लोग मिस्पा छोड़ने के बाद कहाँ गए?

वे बैतलहम के निकट जो किम्हाम की सराय है वहाँ गए।

यिर्मयाह 41:17 (#2)

योहानान और लोग कहाँ जाना चाहते थे?

वे मिस्र जाना चाहते थे।

यिर्मयाह 41:17 (#3)

वे मिस्र क्यों जाना चाहते थे?

वे कसदियों से डरते थे।

यिर्मयाह 41:18

योहानान और लोग काल्दियों से क्यों डरते थे?

वे डर गए थे क्योंकि इश्माएल ने गदल्याह को मार डाला था।

यिर्मयाह 42:1–3

सभी दलों के सब प्रधान और सभी लोगों ने यिर्मयाह से क्या कहा?

उन्होंने उनसे प्रार्थना करने और यह बताने के लिए कहा कि उन्हें किस मार्ग पर चलना चाहिए और कौन सा काम करना चाहिए।

यिर्मयाह 42:4

यिर्मयाह ने उन्हें क्या उत्तर दिया?

उन्होंने कहा कि वे उनके लिए प्रार्थना करेंगे और जो कुछ भी यहोवा उत्तर देंगे, वह उन्हें बताएंगे।

यिर्मयाह 42:5–6

फिर लोगों ने यिर्मयाह से क्या कहा?

उन्होंने कहा कि वे सब कुछ करेंगे जो यहोवा ने उन्हें करने के लिए कहा है।

यिर्मयाह 42:7

दस दिनों के बीतने पर क्या घटित हुआ?

दस दिन के बीतने पर यहोवा का वचन यिर्मयाह के पास पहुँचा।

यिर्मयाह 42:11–12

यहोवा ने क्या कहा कि वह क्या करेंगे क्योंकि वह उनके साथ था??

उन्होंने कहा कि वह उन्हें बचाएंगे, उन पर करुणा और दया करेंगे, और उन्हें उनकी भूमि पर फिर से बसा देंगे।

यिर्मयाह 42:15–17

यहोवा ने कहा कि यदि लोग सचमुच मिस्र की ओर जाने का मुँह करे तो क्या होगा?

यदि वे मिस्र की ओर जाने का मुँह करे, तो यहोवा ने कहा कि वे सभी वहाँ तलवार, अकाल और मरी से मरेंगे।

यिर्मयाह 42:18

यदि वे मिस्र जाते हैं तो उनका क्या होगा?

वे श्राप का विषय बन जाएंगे और वे कभी लौटकर नहीं आएंगे।

यिर्मयाह 42:19

लोग फिर कभी भूमि को क्यों नहीं देख पाएंगे?

यहोवा ने उनसे मिस्र न जाने को चिताया है, और अगर वे जाते हैं तो वह उनसे क्रोधित होंगे।

यिर्मयाह 42:20–22

लोग मिस्र जाने के लिए अपनी जान क्यों जोखिम में डालेंगे?

वे अपनी जान से कीमत चुकाएंगे क्योंकि उन्होंने यिर्मयाह से यहोवा का वचन देने के लिए कहा, लेकिन वे यहोवा जो उन्हें करने के लिए कहते हैं, उसे नहीं मानते।

यिर्मयाह 43:1

यिर्मयाह ने सभी लोगों के सामने क्या वचन पूरी की?

उन्होंने वे सभी वचन कहने समाप्त कर दिए जो यहोवा ने उन्हें कहने के लिए बताए थे।

यिर्मयाह 43:3

अजर्याह, योहानान, और सभी अभिमानी पुरुषों ने यिर्मयाह पर क्या आरोप लगाया?

उन्होंने उस पर झूठ बोलने का आरोप लगाया ताकि यिर्मयाह उन्हें मरवा सकें और बन्दी बनाकर बाबेल को ले जाएँ।

यिर्मयाह 43:4–7

योहानान और दलों ने यहोवा द्वारा बताए गए कार्य के विपरीत क्या किया?

वे सभी मिस्र चले गए।

यिर्मयाह 43:8–10

यहोवा ने यिर्मयाह से पत्थरों के साथ क्या करने के लिए कहा?

उन्होंने उनसे फ़िरौन के घर के पास तहपन्हेस में उन्हें छिपाने के लिए कहा ताकि यह दिखाया जा सके कि नबूकदनेस्सर वहाँ एक सिंहासन पर बैठेंगे।

यिर्मयाह 43:11

यहोवा कहते हैं कि जब नबूकदनेस्सर आकर मिस्र देश को मारेगा, तो लोगों के साथ क्या होगा?

यहोवा कहते हैं कि नबूकदनेस्सर कुछ लोगों को मार डालेगा और दूसरों को बन्दी बना ले जाएगा।

यिर्मयाह 43:12–13

यहोवा कहते हैं कि नबूकदनेस्सर मिस्र के देवताओं के देवालयों के साथ क्या करेंगे?

यहोवा कहते हैं कि वे उन्हें फुँकवा देगा और बँधुआई में ले जाएगा।

यिर्मयाह 44:2–3

यिर्मयाह क्यों कहते हैं कि यहोवा ने यरूशलेम और यहूदा के नगरों पर विपत्ति लाई है?

यिर्मयाह कहते हैं कि लोग दूसरे देवताओं के लिये धूप जलाते थे और उनकी उपासना करते थे, इसलिए परमेश्वर ने नगरों पर विपत्ति लाई।

यिर्मयाह 44:4

यहोवा के भविष्यद्वक्ताओं ने लोगों से क्या कहा था?

भविष्यद्वक्ताओं ने लोगों से कहा था कि वे यहोवा को घृणित लगने वाली काम करना बंद करें।

यिर्मयाह 44:5

भविष्यद्वक्ताओं के बोलने के बाद लोगों ने क्या किया?

उन्होंने नहीं सुना।

यिर्मयाह 44:6

जब यहूदी भविष्यद्वक्ताओं की बात नहीं सुनते थे, तो यहोवा ने क्या किया?

यहोवा के जलजलाहट और कोप की आग यहूदा के नगरों और यरूशलेम की सड़कों पर भड़क गई।

यिर्मयाह 44:7

यहोवा मिस्र गए लोगों में से कितनों को जीवित रहने देंगे?

वे उनमें से किसी को भी जीवित नहीं रहने देंगे।

यिर्मयाह 44:8

उन्होंने यहोवा को कैसे रिस दिलाया?

उन्होंने अपने कामों के द्वारा और मिस्र की भूमि में दूसरे देवताओं के लिये धूप जलाकर यहोवा को रिस दिलाया।

यिर्मयाह 44:8 (#2)

यहोवा कहते हैं कि मिस्र में उनके साथ क्या होने वाला है?

वह कहते हैं कि वह उन्हें नाश कर देंगे।

यिर्मयाह 44:10

यहोवा किसके बारे में कहते हैं कि उन्होंने बुराई की है?

वह कहते हैं कि लोगों और उनके पूर्वजों ने बुराई की है।

यिर्मयाह 44:11–12

यहोवा कहते हैं कि मिस्र गए लोगों के साथ क्या होगा?

यहोवा कहते हैं कि वह उनके विरुद्ध हानि करेंगे और उन पर विपत्ति लाएंगे और उन सभी को नष्ट कर देंगे, जैसे उन्होंने यरूशलेम को दण्ड दिया था: तलवार, अकाल और मरी के द्वारा।

यिर्मयाह 44:14

यहोवा यहूदा के बचे हुए यहूदी के विषय में क्या कहते हैं?

वह कहते हैं कि उनमें से कोई भी जो यहूदा देश में रहने के लिये लौटने की बड़ी अभिलाषा रखते हैं, वापस नहीं लौटेगा, यद्यपि कुछ लोग मिस्र से बच निकलेंगे।

यिर्मयाह 44:17

लोगों का क्या मानना था कि यदि वे धूप जलाते और स्वर्ग की रानी को तपावन देते तो क्या होगा?

लोगों ने सोचा कि यदि वे धूप जलाते हैं और स्वर्ग की रानी को तपावन देते हैं तो वे पेट भरकर खाते और भले चंगे रहते और किसी विपत्ति में नहीं पड़ते।

यिर्मयाह 44:22

वह क्या था जिसे यहोवा अब और सहन नहीं कर सकते थे?

लोगों ने जो किया उसे वह अब और सहन नहीं कर सकते थे।

यिर्मयाह 44:22 (#2)

जब यहोवा अब और सहन नहीं कर सके कि लोगों ने क्या किया, तो उनकी भूमि का क्या हुआ?

उनकी भूमि एक उजाड़, निर्जन और सुनसान स्थान बन गई।

यिर्मयाह 44:23

यह विपत्ति उनके साथ क्यों हुई?

क्योंकि उन्होंने मूर्तियों की आराधना के लिए धूप जलाई और यहोवा के विरुद्ध पाप किया, और उन्होंने उनकी बात नहीं सुनी।

यिर्मयाह 44:25

यिर्मयाह ने उन लोगों से क्या कहा जो स्वर्ग की रानी को अपनी मन्नतें मानते थे?

उन्होंने उनसे अपनी-अपनी मन्नतों को मानकर पूरा करने के लिए कहा।

यिर्मयाह 44:26–27

यिर्मयाह ने कहा कि लोग अपनी मन्नतें पूरी करने के बाद क्या करेंगे?

उन्होंने उन्हें बताया कि वे फिर कभी यहोवा की आराधना नहीं करेंगे, बल्कि वे सभी तलवार और अकाल के द्वारा मिटकर नाश हो जाएँगे।

यिर्मयाह 44:28

जो लोग तलवार से नहीं मारे जाएँगे, उनके साथ क्या होगा?

वे मिस्र देश से लौटकर यहूदा देश में पहुँचेंगे।

यिर्मयाह 44:29

जब होप्रा का निधन होगा, तो लोग क्या समझेंगे?

वे समझेंगे कि यहोवा उनके साथ वही सब कुछ निश्चय पूरे करेंगे जो उन्होंने कहा था कि वे करेंगे।

यिर्मयाह 44:30

यहोवा कहते हैं कि वे फ़िरौन होप्रा के साथ क्या करेंगे?

वह कहते हैं कि वह अपने दुश्मनों को फ़िरौन होप्रा के हाथ में कर देंगे।

यिर्मयाह 45:1–3

यहोवा ने बारूक के लिए यिर्मयाह को वचन क्यों दिया था?

उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि बारूक कह रहे थे कि यहोवा ने उन्हें दुःख दिया है।

यिर्मयाह 45:4

यहोवा बारूक के देश के साथ क्या करने की योजना बना रहे हैं?

वह इसे उखाड़ फेंकने की योजना बना रहे हैं।

यिर्मयाह 45:5

बारूक को किसकी खोज नहीं करनी चाहिए?

उन्हें लोगों से यह अपेक्षा नहीं करनी चाहिए कि वे उन्हें विशेष बड़ाई दें।

यिर्मयाह 45:5 (#2)

यहोवा बारूक के लिए क्या करने का आश्वासन देते हैं?

यहोवा बारूक को जहाँ भी वे जाते हैं, वहाँ उनकी प्राण बचाने का वादा करते हैं।

यिर्मयाह 46:1–4

यहोवा मिस्र की सेना से क्या करने के लिए कहते हैं?

वह उन्हें अपनी ढालें, घोड़े, भाले, और झिलम तैयार करने और लड़ने को निकट चलने के लिए कहते हैं।

यिर्मयाह 46:2

वे कौन से दो राजा हैं जिनके बीच युद्ध होने वाला है?

बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर और मिस्र के राजा फ़िरौन नको के बीच युद्ध होने वाला है।

यिर्मयाह 46:5–6

यहोवा मिस्री सेना के साथ क्या कर रहे हैं?

वह मिस्री शूरवीर को सुरक्षा के लिए उतावली करके भागते हुए देखता है, लेकिन वे फरात महानद के तट पर सब ठोकर खाकर गिर पड़े।

यिर्मयाह 46:7–8

यहोवा मिस्री सेना की तुलना किससे करते हैं?

सेना बाढ़ के समय नील नदी के समान होती है और नगरों को उनके निवासियों समेत नाश कर देती है।

यिर्मयाह 46:10

यहोवा अपना बदला कैसे लेंगे?

जब तलवार खाकर तृप्त होगी, तब वह अपना बदला लेंगे। यह यहोवा के लिए एक बलिदान के समान होगा।

यिर्मयाह 46:11–12

यहोवा मिस्र से क्या करने के लिए कहते हैं?

वे औषधि के लिए गिलाद जाने वाले हैं, लेकिन यह उन्हें चंगा नहीं करेगा।

यिर्मयाह 46:13–14

यहोवा ने मिग्दोल और नोप के लोगों से क्या करने के लिए कहा था?

उन्होंने उन्हें तहपन्हेस जाने और वहाँ युद्ध करने के लिए कहा।

यिर्मयाह 46:15

मिस्र के देवताओं का क्या हुआ?

बैल देवता एपिस भाग गया है और यहोवा ने उसे नीचे ढकेल दिया है।

यिर्मयाह 46:16–17

सैनिक क्या करना चाहते हैं?

वे अपने घर जाना चाहते थे।

यिर्मयाह 46:19

यहोवा कहते हैं कि मिस्र को किसके लिए तैयारी करनी चाहिए?

वे कहते हैं कि मिस्र को बँधुआई में जाने का सामान तैयारी करनी चाहिए।

यिर्मयाह 46:20–21

लेखक कहते हैं कि युद्ध से पहले मिस्र किस जानवर के समान है?

मिस्र एक सुन्दर बछिया है, और उनके किराए के सैनिक पाले-पोसे हुए बछड़ों के समान हैं।

यिर्मयाह 46:21

लेखक कहते हैं कि युद्ध के बाद मिस्र किस पशु के समान है?

वे कहते हैं कि मिस्र एक सर्प के समान है।

यिर्मयाह 46:23–24

मिस्र के सैनिकों को कौन पराजित करेगा?

उत्तर के लोग उनका वध कर देंगे।

यिर्मयाह 46:25–26

यहोवा मिस्र को किसके वश में कर देंगे?

वह मिस्र को नबूकदनेस्सर के वश में कर देंगे।

यिर्मयाह 46:27–28

यहोवा कहते हैं कि वे अपनी प्रजा इस्राएल के लिए क्या करेंगे?

वह उन्हें बँधुआई से बाहर लाएंगे, उन्हें उनकी भूमि पर लौटाएंगे जहाँ वे चैन और सुख से रहेंगे। उन जातियों पर विनाश लाएंगे जहाँ वे बिखरे हुए थे। वह उन्हें न्यायपूर्वक ताड़ना देंगे, लेकिन उन्हें पूरी तरह से नष्ट नहीं करेंगे।

यिर्मयाह 47:1–2

यहोवा कहते हैं कि पलिश्तियों के निवासियों के साथ क्या होगा?

उन पर उत्तर दिशा से हमला होगा और वे सभी चिल्लाएँगे (रोएँगे)।

यिर्मयाह 47:3–4

पलिश्तियों के लोग कैसे जानेंगे कि शत्रु उन्हें नाश करने आ रहा है?

वे घोड़ों की टाप, रथों के वेग चलने और उनके पहियों के चलने का कोलाहल सुनकर पिता के हाथ-पाँव ऐसे ढीले पड़ जाएँगे, कि वह मुँह मोड़कर अपने लड़कों को भी न देखेंगे, और वे कमजोर और असहाय हो जाएंगे।

यिर्मयाह 47:6–7

पलिश्तियों के लोग यहोवा से क्या करने के लिए कह रहे हैं?

वे उनसे प्रार्थना कर रहे हैं कि वे उन्हें मारना बंद करें।

यिर्मयाह 47:7

यहोवा तलवार को क्यों नहीं रोकेंगे?

क्योंकि वे अश्कलोन में रहने वाले सभी लोगों और समुद्र तट के शहरों के विरुद्ध आक्रमण करने का इरादा रखते हैं।

यिर्मयाह 48:1–2

यहोवा मोआब के विषय में क्या कहते हैं?

शहरों में नाश होगा, कोई भी मोआब का प्रशंसा नहीं करेगा, और उनके शत्रु उसे एक राज्य के रूप में नाश करने का प्रयास करेंगे।

यिर्मयाह 48:3–5

लोग क्यों चिल्ला रहे हैं, रो रहे हैं, और आंसू बहा रहे हैं?

वे यह इसलिए कर रहे हैं क्योंकि मोआब नाश हो गया है।

यिर्मयाह 48:7

कमोश और उनके याजकों और हाकिम बँधुआई क्यों जाएंगे?

वे अपने कामों और सम्पत्ति पर भरोसा रख रहे थे।

यिर्मयाह 48:8

यहोवा कहते हैं कि मोआब के नगरों का क्या होगा?

वे सभी नाश किए जाएँगे, उनमें से कोई भी नहीं बचेगा।

यिर्मयाह 48:9

उनके नगरों का क्या होगा?

वे उजाड़ हो जाएँगे कि उनमें कोई भी न बसने पाएगा।

यिर्मयाह 48:10

यहोवा उन लोगों के साथ क्या करेंगे जो उनके लिए मोआबियों को नहीं मारेंगे?

यहोवा उन्हें श्राप देंगे।

यिर्मयाह 48:11–12

यहोवा कहते हैं कि मोआबियों के साथ क्या होगा?

वह कहते हैं कि वह शत्रुओं को उन पर आक्रमण करने के लिए भेजेंगे और उन्हें ख़त्म कर देंगे।

यिर्मयाह 48:15–16

यहोवा कहते हैं कि मोआब के देश के साथ क्या होगा?

बहुत ही वेग से नाश हो जाएगा।

यिर्मयाह 48:17

मोआब के नाश होने के बाद उसके पास रहने वाले लोगों को क्या करना चाहिए?

उन्हें मोआब के लिए विलाप करना चाहिए क्योंकि उनकी शक्ति टूट गई है।

यिर्मयाह 48:18–20

दीबोन और अरोएर के नगर के लोगों को गर्व करने के बजाय क्या करना चाहिए?

उन्हें ध्यान देना चाहिए कि उन पर हमला हो रहा है और उन लोगों पर भी ध्यान देना चाहिए जो भाग रहे हैं। उन्हें चिल्लाना, विलाप करना और सहायता के लिए पुकारना चाहिए क्योंकि मोआब नाश हो गया है।

यिर्मयाह 48:21–25

मोआब की भूमि के सभी नगरों पर कौन सा दंड आया है?

यहोवा ने कई नगरों को दंडित किया है। मोआब का सींग काट दिया गया है और उसका भुजा टूट गई है।

यिर्मयाह 48:26–27

मोआबियों ने सोचा कि वे यहोवा के विरुद्ध बड़ाई मारी है, लेकिन यहोवा उनके साथ क्या करेंगे?

यहोवा मोआब का न्याय करेंगे और उसके शत्रु उस पर उपहास करेंगे।

यिर्मयाह 48:28–29

मोआब के रहनेवालों को अपने अभिमान के कारण क्या करना चाहिए?

उन्हें नगर को छोड़कर चट्टान की दरार में बसना चाहिए।

यिर्मयाह 48:30–32

यहोवा मोआब के लोगों के लिए विलाप क्यों करते हैं, क्यों चिल्लाते हैं और क्यों रोते हैं?

यहोवा विलाप करते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि मोआब के बड़े बोल से कुछ बन न पड़ेगा।

यिर्मयाह 48:33

यहोवा ने मोआब के साथ क्या किया है?

उन्होंने मोआब के देश से आनन्द और मगन होना उठा लिया है।

यिर्मयाह 48:35

यहोवा कहते हैं कि वह उन मोआब के लोगों के साथ क्या करेंगे जो अपने देवताओं को बलिदान चढ़ाते हैं और धूप जलाते हैं?

वह उन लोगों से छुटकारा पा लेंगे।

यिर्मयाह 48:36–37

कीरहेरेस के लोग अपनी संपत्ति के खो जाने पर अपना दुख कैसे व्यक्त करते हैं?

वे अपने सिर और दाढ़ी मुंडवाते हैं, अपने हाथों को काटते हैं, और अपनी कमर के चारों ओर टाट पहनते हैं।

यिर्मयाह 48:38–39

घरों की छतों पर और सब चौकों में रोना पीटना क्यों है?

क्योंकि यहोवा ने मोआब को उसी प्रकार तोड़ डाला है जैसे लोग उन तुच्छ बर्तनों को तोड़ डालते हैं।

यिर्मयाह 48:40–41

यहोवा कहते हैं कि करिय्योत पर अधिकार कैसे होगा?

यह शीघ्र होगा, जैसे जब एक उकाब अपने शिकार को पकड़ता है। शत्रु गढ़वाले नगर पर अधिकार कर लेंगे, और मोआबी वीर भयभीत हो जाएंगे।

यिर्मयाह 48:42–44

यहोवा मोआब को कैसे विनाश करेंगे?

यहोवा लोगों को भयभीत करेंगे और उन्हें गड्ढों और जालों में गिरा देंगे।

यिर्मयाह 48:45

लोग केवल हेशबोन नगर तक ही क्यों जाएंगे?

क्योंकि हेशबोन से आग निकली होगी, और यह मोआब के सभी लोगों को जला देगी जिन्होंने अभिमान किया है।

यिर्मयाह 48:46–47

यिर्मयाह के अनुसार मोआबियों का क्या होगा?

मोआबियों का नाश होगा और उनके स्त्री-पुरुष दोनों बँधुआई में अन्य देशों में ले जाए जाएँगे, लेकिन किसी दिन यहोवा उन्हें उनकी भूमि पर लौटा ले आएंगे।

यिर्मयाह 49:1

मल्काम गाद के देश का अधिकारी क्यों नहीं हो सकता?

मल्काम गाद के देश का अधिकारी नहीं हो सकता क्योंकि यह इस्राएल के बच्चों का है।

यिर्मयाह 49:2

रब्बाह का भविष्य क्या होगा?

यह एक खण्डहर बन जाएगा।

यिर्मयाह 49:3

मल्काम का क्या परिणाम होगा?

नगर नाश हो जाएंगे और लोग बँधुआई में जाएंगे।

यिर्मयाह 49:4

भटकनेवाली बेटी किस पर विश्वास करती है?

वे अपनी धन पर भरोसा रखती है।

यिर्मयाह 49:5

लोग क्यों भयभीत होंगे?

वे भयभीत होंगे क्योंकि उन्हें घेरने वाले शत्रु उन्हें अन्य देशों में बिखरने के लिए विवश करेंगे।

यिर्मयाह 49:6

भविष्य में यहोवा अम्मोनियों के लिए क्या करेंगे?

यहोवा उनको बँधुआई से लौटा लाएंगे।

यिर्मयाह 49:7

एदोम के ज्ञानियों का क्या हुआ?

एदोम के ज्ञानी चले गए हैं।

यिर्मयाह 49:8

अब एदोम के लोगों को क्या करना चाहिए जब उनके ज्ञानी लोग चले गए हैं?

उन्हें भाग जाना चाहिए और जमीन में गड्ढों में छिपकर रहना होगा।

यिर्मयाह 49:8 (#2)

यहोवा एसाव के साथ क्या करने वाले हैं?

वह एसाव पर भारी विपत्ति लाने वाले हैं।

यिर्मयाह 49:11

यहोवा एदोम में अनाथों और विधवाओं के विषय में क्या कहते हैं?

वह कहते हैं कि वे अनाथों और विधवाओं को जिलाएंगे।

यिर्मयाह 49:12

एदोमियों को पहले से ही यह क्यों पता होना चाहिए था कि यहोवा उन्हें दंडित करेंगे?

उन्होंने देखा है कि जिन लोगों को यहोवा दण्ड नहीं दे रहे हैं, उन्हें भी कष्ट उठाना पड़ा है।

यिर्मयाह 49:13

यहोवा ने कहा कि वह बोस्रा के साथ क्या करेंगे?

वह इसे उजाड़ कर देंगे।

यिर्मयाह 49:14

यहोवा का दूत जाति-जाति से क्या कहने वाले थे?

दूत जाति-जाति के पास गए और उनसे युद्ध के लिए तैयार होने और एदोम पर चढ़ाई करने का आग्रह किया।

यिर्मयाह 49:15

यहोवा एदोम के लोगों से क्या कहते हैं?

वे कहते हैं कि उन्होंने अन्य जातियों की तुलना में उनके एदोम देश को मनुष्यों में तुच्छ कर दिया है और लोग उनका तिरस्कार करेंगे।

यिर्मयाह 49:16

क्योंकि एदोमियों ने स्वयं को धोखा दिया है और सोचते हैं कि उन्हें पहाड़ी की चोटी पर सुरक्षा है, यहोवा उनके साथ क्या करेंगे?

वह उन्हें उतार लाएंगे।

यिर्मयाह 49:17–18

यहोवा एदोम की भयानकता की तुलना किससे करते हैं?

वह इसकी तुलना सदोम और गमोरा तथा उनके आस-पास के नगरों से करते हैं, जहाँ कोई नहीं रहता।

यिर्मयाह 49:19

यहोवा एदोमियों को उनके देश से निकाल देने के बाद उनके साथ क्या करेंगे?

वे किसी को उन पर अधिकारी ठहराएंगे।

यिर्मयाह 49:20

यहोवा की एदोम के विरुद्ध क्या युक्ति हैं?

उनकी युक्ति तेमान के रहनेवालों को खींचकर ले जाने और उनके चराई को खाली स्थानों में बदलने की है।

यिर्मयाह 49:21–22

जब एदोम का विनाश होगा तो वह कैसा होगा?

पृथ्वी काँप उठेगी, और लोग जितनी दूर लाल समुद्र तक हैं, वे चिल्लाहट सुनेंगे। यहाँ तक कि सबसे शक्तिशाली एदोमी शूरवीर भी भयभीत हो जाएंगे।

यिर्मयाह 49:23–24

यहोवा कहते हैं कि दमिश्क के लोगों के साथ क्या होगा?

वे लज्जित और बलहीन हो जाएंगे। वे संकट में मुख फेर लेंगे और भाग जाएंगे।

यिर्मयाह 49:26–27

जब यहोवा दमिश्क की शहरपनाह में आग लगाएंगे, तब क्या होगा?

आग बेन्हदद के राजभवन को भस्म कर देगी, और जवान पुरुष और सभी योद्धा मारे जाएंगे।

यिर्मयाह 49:28–29

यहोवा नबूकदनेस्सर से केदार के लिए क्या करने के लिए कहते हैं?

वह नबूकदनेस्सर से कहता है कि लोगों पर चढ़ाई करें, उन्हें नाश करें, और उनकी संपत्ति छीन लें।

यिर्मयाह 49:30

नबूकदनेस्सर के हमले के बाद केदार के लोग कहाँ निवास करेंगे?

वे कहीं जाकर छिपकर बसेंगे।

यिर्मयाह 49:30–31

यह नबूकदनेस्सर के लिए एक आसान चढ़ाई क्यों होगा?

यह उनके लिए आसान होगा क्योंकि लोगों के पास कोई किवाड़ और बेंड़े नहीं है, और वे निडर रहते हैं।

यिर्मयाह 49:32

जब नबूकदनेस्सर उनके ऊँट और सम्पत्ति को युद्ध की लूट के रूप में ले जाएगा, तब यहोवा हासोर के लोगों के साथ क्या करेंगे?

वह उन्हें तितर-बितर कर देंगे और विपत्ति उन पर आएगी।

यिर्मयाह 49:33

नबूकदनेस्सर के चढ़ाई के बाद शहर में कौन रहेगा?

केवल गीदड़ ही इसमें वास करेंगे।

यिर्मयाह 49:34

यिर्मयाह को एलाम के विषय में भविष्यद्वाणी कब पहुँचा?

यहूदा के राजा सिदकिय्याह के राज्य के आरम्भ में यहोवा का यह वचन यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता के पास एलाम के विषय पहुँचा।

यिर्मयाह 49:34–36

जब यहोवा एलाम के धनुष को जो उनके पराक्रम का मुख्य कारण है उनको तोड़ देंगे, तब लोग कहाँ जाएंगे?

लोग पृथ्वी के चारों दिशाओं की ओर तितर-बितर हो जाएंगे।

यिर्मयाह 49:37–38

यहोवा एलाम के लोगों पर अपना कोप भड़कने के कारण क्या करने वाले हैं?

यहोवा उनके दुश्मनों को सक्षम करने जा रहे हैं कि वे उन्हें कुचल दें, उन पर विपत्ति लाएं, उन्हें मार दें और पूरी तरह से सभी का अन्त कर दें।

यिर्मयाह 49:39

किसी दिन यहोवा एलाम के लोगों के लिए क्या करेंगे?

वे उन्हें उनकी भूमि पर बँधुआई से लौटा ले आएंगे।

यिर्मयाह 50:2

बाबेल का भविष्य क्या होगा?

बाबेल पर विजय प्राप्त की गई है। बेल और उसकी मूर्तियाँ लज्जित हो गई हैं।

यिर्मयाह 50:3

बाबेल के विरुद्ध कौन खड़ा होगा?

उत्तर दिशा से एक जाति।

यिर्मयाह 50:4–5

जब बाबेल पर हमला होगा, तब इस्राएल के लोग क्या करेंगे?

लोग रोते हुए एक साथ आएंगे और यहोवा को ढूँढ़ने के लिये चले आएँगे। वे यहोवा के साथ अपनी अनन्त वाचा का नवीनीकरण करने के लिए सिय्योन की ओर मुँह किए हुए आएँगे।

यिर्मयाह 50:6

यहोवा अपने लोगों को खोई हुई भेड़े के रूप में क्यों वर्णन करते हैं?

वह उन्हें खोई हुई भेड़ के रूप में वर्णित करते हैं क्योंकि उनके चरवाहों ने उनको भटका दिया है और वे अपने बैठने के स्थान को भूल गई हैं।

यिर्मयाह 50:7

उनके सतानेवालों ने यहोवा की प्रजा को निगलने की अपनी क्षमता के बारे में क्या कहा?

सतानेवालों ने कहा कि यहोवा के लोगों ने यहोवा के विरुद्ध पाप किया था।

यिर्मयाह 50:8–10

इस्राएलियों को कसदियों के देश के लुटने के पहले बाबेल क्यों छोड़ देना चाहिए?

उन्हें छोड़ देना चाहिए क्योंकि उत्तर के देश से बड़ी जाति बाबेल को लूटने आ रहा है।

यिर्मयाह 50:11–13

बाबेल के साथ क्या होगा क्योंकि उन्होंने यहोवा के भाग को लूटा है?

बाबेल जातियों में सबसे नीच और वह जंगल और मरु और निर्जल देश हो जाएगी।

यिर्मयाह 50:14–15

क्योंकि बाबेल ने यहोवा के विरुद्ध पाप किया है, उसके साथ क्या होगा?

हर कोई बाबेल पर चढ़ाई करेगा, बाबेल अपनी शक्ति समर्पित कर देगी, उसकी शहरपनाह गिर जाएंगी, उसकी दीवारें तोड़ दी जाएंगी, और दूसरे लोग उसके साथ वैसा ही करेंगे जैसा उसने अन्य जातियों के साथ किया था।

यिर्मयाह 50:16

जब बाबेल पर हमला होता है, तो अन्य देशों से आए लोगों को क्या करना चाहिए?

उन्हें अपने-अपने देश को भाग जाना चाहिए।

यिर्मयाह 50:17–18

यहोवा कहते हैं कि वे अश्शूर और बाबेल की जातियों के साथ क्या करेंगे?

वह कहते हैं कि वह बाबेल के राजा और उसके लोगों को उसी तरह दण्ड देंगे जैसे उन्होंने अश्शूर के राजा को दण्ड दिया था।

यिर्मयाह 50:19–20

यहोवा उन लोगों के लिए क्या करेंगे जिन्हें वे बचाएंगे?

यहोवा इस्राएल को उनकी देश में पुनः स्थापित करेंगे, और वे लोगों के पापों को क्षमा करेंगे।

यिर्मयाह 50:21–22

यहोवा बाबेल के शत्रुओं को क्या करने के लिए प्रेरित करते हैं?

यहोवा चाहते हैं कि वे युद्ध और सत्यानाश का सा शब्द सुनाएं और बाबेल पर सत्यानाश लाएँ।

यिर्मयाह 50:23–24

बाबेल की सेना को क्यों कब्जे में लिया जाएगा?

इसे कब्जे में लिया जाएगा क्योंकि इसने यहोवा का विरोध किया है।

यिर्मयाह 50:25–26

यहोवा को कौन सा काम करना है?

यहोवा अपने शस्त्रों का घर खोलकर, हथियार निकालते हैं, और दुश्मनों को बाबेल पर हमला करने, उसके भंडार खोलने और उसे विनाश की ओर ले जाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। बाबेल का कुछ भी न बचा रहें।

यिर्मयाह 50:27–28

बाबेल में बचे हुए इस्राएली लोग किस विषय पर चर्चा करेंगे?

वे इस बारे में बात करेंगे कि कैसे यहोवा ने सिय्योन में अपने मन्दिर के साथ जो कुछ किया उसके लिए योद्धाओं का वध करके बाबेल को दण्डित किया।

यिर्मयाह 50:29–30

यहोवा की अवज्ञा करने के परिणामस्वरूप उसके साथ क्या होगा?

कोई भी उस विनाश से नहीं बचेगा जो बाबेल के शत्रु उस पर लाएंगे। बाबेल ने यहोवा के साथ जो किया है, उसके कारण शत्रु उसके सभी योद्धाओं को नष्ट कर देंगे।

यिर्मयाह 50:31–32

यहोवा अभिमानी लोगों के लिए क्या वाणी देते हैं?

वह वाणी देते हैं कि वे ठोकर खाकर गिर जाएंगे।

यिर्मयाह 50:33–34

इस्राएल के उत्पीड़ित लोगों को कौन उद्धार करता है?

सेनाओं के यहोवा इस्राएल को उद्धार देते हैं।

यिर्मयाह 50:35–37

शत्रु सैनिक बाबेल के साथ क्या करेंगे?

वे निवासियों, हाकिम, पंडित और सभी लोगों पर तलवार चलाएंगे। वे उनके बड़ा बोल बोलनेवालों, उनके सबसे शक्तिशाली शूरवीरों, और उनके घोड़ों और रथों पर तलवार चलाएंगे।

यिर्मयाह 50:38–40

बाबेल का क्या हाल होगा?

बाबेल सदोम और गमोरा के समान हो जाएगा।

यिर्मयाह 50:41–42

बाबेल के राजा को उत्तर के लोगों के बारे में क्या जानकारी मिलती है?

राजा सुनते हैं कि वे क्रूर और निर्दयी हैं।

यिर्मयाह 50:43

यिर्मयाह से यह समाचार सुनने के बाद बाबेल के राजा को कैसा महसूस होता है कि उत्तर से एक सेना बाबेल पर चढ़ाई करने आ रही है?

उनका समाचार सुनते ही बाबेल के राजा के हाथ पाँव ढीले पड़ गए, और उसको जच्चा की सी पीड़ाएँ उठी।

यिर्मयाह 50:44

यहोवा बाबेल के साथ क्या करेंगे?

वह बाबेल के लोगों का पीछा करेंगे और किसी को उन पर अधिकारी ठहराएंगे।

यिर्मयाह 50:45–46

यहोवा बाबेल के लोगों के साथ क्या करने की युक्ति बना रहे हैं?

यहोवा बाबेल के लोगों का पूरी तरह से विनाश करने की युक्ति बना रहे हैं।

यिर्मयाह 51:1–2

विदेशियों का बाबेल के साथ क्या संबंध होगा?

वे आएंगे और बाबेल का नाश कर देंगे।

यिर्मयाह 51:3–4

बाबेल की सेना पर किस प्रकार का चढ़ाई होगा?

चढ़ाई अचानक इतनी तेज़ी से होगा कि बाबेल के सैनिकों को अपने झिलम पहनने का भी समय नहीं मिलेगा। धनुर्धारी धनुष चढ़ाए हुए लोगों का सत्यानाश कर देंगे।

यिर्मयाह 51:5

यहोवा अपने लोगों को किस बात की स्मरण दिलाते हैं?

यहोवा उन्हें स्मरण दिलाते हैं कि भले ही उनके लोगों ने पाप किया हो, वह अब भी उनके परमेश्वर हैं और सेनाओं के यहोवा ने उनको त्याग नहीं दिया है।

यिर्मयाह 51:6

यहोवा इस्राएल के लोगों से क्या करने के लिए कहते हैं?

यहोवा अपने लोगों से कहते हैं कि वे भागें, ताकि वे बाबेल पर आने वाले दण्ड से अपना-अपना प्राण बचा सकें।

यिर्मयाह 51:7

यहोवा ने जाति-जाति के लोगों के साथ क्या करने के लिए बाबेल का उपयोग किया?

उन्होंने इसका उपयोग उन्हें मतवाले होने के लिए किया।

यिर्मयाह 51:7–8

बाबेल का भविष्य क्या होगा?

यह गिरकर नाश हो जाएगा।

यिर्मयाह 51:9–10

जबबाबेल को बचाया नहीं जाएगा तो इस्राएली क्या करेंगे?

इस्राएली अपनी भूमि पर जाएंगे और सिय्योन में दूसरों को बताएंगे कि यहोवा ने उनके पापों को क्षमा कर दिया है।

यिर्मयाह 51:11

बाबेल के खिलाफ युद्ध में कौन आगे बढ़ेगा, क्योंकि बाबेल ने यरूशलेम में यहोवा के मन्दिर को नष्ट कर दिया है?

मादी राजाओं और फारस की सेनाएँ बाबेल को नष्ट करने के लिए जा रही हैं।

यिर्मयाह 51:13–14

यहोवा ने शपथ ली है कि वे बाबेल के धनी लोगों के साथ क्या करेंगे?

यहोवा उनके विरुद्ध युद्ध ललकारेंगे। उनका अंत आ गया है।

यिर्मयाह 51:15

यहोवा ने अपनी सामर्थ्य, बुद्धि और प्रवीणता से क्या-क्या किया है?

उन्होंने ने पृथ्वी को अपने सामर्थ्य से बनाया, और जगत को अपनी बुद्धि से स्थिर किया; और आकाश को अपनी प्रवीणता से तान दिया है।

यिर्मयाह 51:15–16

जब यहोवा बोलते हैं तो क्या होता है?

वह पृथ्वी पर आकाश से जल का बड़ा शब्द, वर्षा, बिजली और पवन लाते हैं।

यिर्मयाह 51:17–18

क्या मूर्तियाँ बनाना लोगों को संतुष्ट कर सकता है?

नहीं, मूर्तियाँ उनके लिए कुछ भी नहीं कर सकतीं। वे व्यर्थ हैं।

यिर्मयाह 51:19

इस्राएल के परमेश्वर कौन हैं?

वही हैं जिन्होंने सब कुछ बनाया। उनका नाम सेनाओं का यहोवा है।

यिर्मयाह 51:20

परमेश्वर ने इस्राएल से क्या कहा था?

परमेश्वर ने कहा कि इस्राएल उनके युद्ध का फरसा और युद्ध के लिये हथियार ठहराया गया है।

यिर्मयाह 51:24

यहोवा बाबेल के लोगों से क्या कहते हैं?

यहोवा कहते हैं कि वे यरूशलेम में किए गए सभी बुराइयों के लिए लोगों को बदला देंगे।

यिर्मयाह 51:25–26

यहोवा बाबेल के साथ क्या करेंगे क्योंकि उन्होंने पूरी पृथ्वी के लोगों को लूटा है?

यहोवा बाबेल को पूरी तरह नष्ट कर देंगे, और वहाँ फिर कभी कोई नहीं रहेगा।

यिर्मयाह 51:27–28

यिर्मयाह को मादियों और फारस के जाति को क्या संदेश देना है?

इन जाति-जाति को कहा गया है कि वे अपनी सेनाओं को बुलाएँ और बाबेल पर चढ़ाई करने की तैयारी करें।

यिर्मयाह 51:29

यहोवा की बाबेल के खिलाफ क्या युक्ति है?

यहोवा की युक्ति बाबेल की भूमि को एक उजाड़ स्थान बनाने की है जहाँ कोई भी निवासी नहीं होगा।

यिर्मयाह 51:30–32

बाबेल के शूरवीर उनके खिलाफ युद्ध का उत्तर कैसे देंगे?

बाबेल के शूरवीर अपने गढ़ों में घबरा उठेंगे क्योंकि भागने के मार्ग अवरुद्ध हो जाएंगे, और शहर में आग लगा दी जाएगी।

यिर्मयाह 51:33

यहोवा कहते हैं कि बाबेल कैसा है?

बाबेल दाँवते समय के खलिहान के समान है।

यिर्मयाह 51:34–35

यरूशलेम के लोग यहोवा से बाबेल के लोगों के लिए क्या करने की प्रार्थना करते हैं?

वे चाहते हैं कि यहोवा बाबेल के लोगों को वैसे ही उपद्रव दें जैसे उन्होंने राजा नबूकदनेस्सर के अधीन उपद्रव सहा था।

यिर्मयाह 51:36–37

यहोवा की इस्राएलियों के प्रति प्रतिक्रिया क्या है?

वह उनका मुकद्दमा लड़ेंगे और बाबेल पर बदला लेंगे। वह उसके सोतों को सूखा देंगे और उसे एक खण्डहर बना देंगे जहाँ कोई नहीं रहता।

यिर्मयाह 51:39–40

यहोवा बाबेल के लोगों के साथ क्या करने वाले हैं?

वह एक विशेष प्रकार की भोज तैयार करने जा रहे हैं जहाँ उन्हें मतवाला कराया जाएगा और फिर सभी का घात कर दिया जाएगा।

यिर्मयाह 51:41

बाबेल किस प्रकार का स्थान हो गया है?

बाबेल जातियों के बीच सुनसान हो गया है।

यिर्मयाह 51:43-44

यहोवा परमेश्वर बेल के साथ क्या करेंगे?

यहोवा बेल को दंडित करेंगे और बाबेल के लोगों को बेल को दिए गए चढ़ावे वापस करने के लिए मजबूर करेंगे, और बाबेल की शहरपनाह गिराई जाएगी।

यिर्मयाह 51:45-46

यहोवा अपने लोगों से कहता है कि वे बाबेल में क्या करें?

वह उन्हें दौड़ने और भूमि में होने वाली सभी हिंसा से अपने प्राण को बचाने के लिए कहते हैं।

यिर्मयाह 51:48-49

ऐसा क्या है जो स्वर्ग और पृथ्वी को जयजयकार कराता है?

स्वर्ग और पृथ्वी जयजयकार करेंगे क्योंकि बाबेल को उत्तर दिशा से नाश करनेवाले द्वारा चढ़ाई कर दिया गया है।

यिर्मयाह 51:50

यिर्मयाह इस्राएली लोगों से क्या करने के लिए कहते हैं?

उन्हें बाबेल से भागना है, यरूशलेम लौटना है, और यहोवा को स्मरण करना है।

यिर्मयाह 51:51

इस्राएलियों ने यहोवा के पवित्र भवन के विषय में क्या सुना था?

उन्होंने सुना था कि विधर्मी यहोवा के पवित्र भवन के पवित्र स्थानों में घुस आए हैं।

यिर्मयाह 51:52-53

यहोवा लोगों से क्या कहते हैं कि वे क्या करेंगे?

वह उन्हें बताते हैं कि वह बाबेल को नष्ट करने के लिए लोगों को भेजेंगे।

यिर्मयाह 51:54-56

लोग बाबेल से क्या सुनते हैं?

जब यहोवा बाबेल को नष्ट करते हैं, तब चिल्लाहट का शब्द सुनाई पड़ता है।

यिर्मयाह 51:58

राज्य-राज्य के लोग जो कुछ भी बाबेल के लिए करने का प्रयास करेंगे, उसका क्या परिणाम होगा?

यह सब व्यर्थ होगा।

यिर्मयाह 51:59

राजा सिदकिय्याह के राजभवन का अधिकारी कौन थे?

सरायाह उनके राजभवन का अधिकारी थे।

यिर्मयाह 51:60

यिर्मयाह ने एक पुस्तक में क्या लिखवाया था?

वे सब बातें जो बाबेल पर पड़नेवाली विपत्ति के विषय लिखी हुई हैं, उन्हें यिर्मयाह ने पुस्तक में लिख दिया।

यिर्मयाह 51:61

यिर्मयाह ने सरायाह को कौन से निर्देश दिए थे?

यिर्मयाह ने सरायाह से कहा कि जब वे बाबेल में पहुँचे, तो वे पुस्तक पर लिखे वचन को पढ़ें, उस पर एक पत्थर बांधें, और उसे फरात नदी में फेंक दें।

यिर्मयाह 51:62

पुस्तक पर क्या लिखा हुआ था?

यहोवा ने घोषणा की कि बाबेल नष्ट हो जाएगा, वहाँ कोई निवासी नहीं रहेंगे, और यह सदा उजाड़ पड़ा रहेगा।

यिर्मयाह 51:63

यिर्मयाह ने सरायाह को क्या निर्देश दिए थे?

यिर्मयाह ने सरायाह से कहा कि जब वे बाबेल पहुँचे, तो वे पुस्तक पर लिखे वचन को पढ़ें, उस पर एक पत्थर बाँधें, और उसे फरात महानद के बीच में फेंक दें।

यिर्मयाह 51:63–64

सरायाह को महानद के बीच में पुस्तक क्यों फेंकना पड़ा?

जब उन्होंने महानद के बीच में पुस्तक फेंका, तो लोग समझ जाएंगे कि बाबेल पुस्तक की तरह डूब जाएगा क्योंकि यहोवा उस पर विपत्ति भेज रहे हैं।

यिर्मयाह 52:1–2

सिदकिय्याह कैसे राजा थे?

सिदकिय्याह यहोयाकीम के सब कामों के अनुसार वही किया जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है।

यिर्मयाह 52:4–5

जब राजा नबूकदनेस्सर यरूशलेम के निकट पहुँचे, तो उन्होंने क्या किया?

उन्होंने इसके विपरीत छावनी लगाया और दो वर्षों तक नगर पर चढ़ाई की।

यिर्मयाह 52:6–8

कसदियों (बाबेलियों) ने सिदकिय्याह और उनके आदमियों को कहाँ पकड़ा?

उन्होंने उन्हें यरीहो के पास के अराबा में पकड़ा।

यिर्मयाह 52:9–11

बाबेल के राजा ने सिदकिय्याह और उनके पुत्रों के साथ क्या किया?

राजा ने सिदकिय्याह के पुत्रों को उनकी आँखों के सामने घात किया और फिर सिदकिय्याह की आँखों को फुड़वा डाला, उन्हें बेड़ियों से जकड़कर बाबेल तक ले गया।

यिर्मयाह 52:12–14

नबूजरदान ने यरूशलेम में क्या किया था?

उन्होंने यहोवा के भवन, और राजभवन और यरूशलेम के सब बड़े-बड़े घरों को आग लगवाकर फुँकवा दिया, और यरूशलेम के चारों ओर की सब शहरपनाह को ढा दिया।

यिर्मयाह 52:15–16

नबूजरदान ने यरूशलेम के सबसे कंगाल लोगों के साथ क्या किया?

उन्होंने उनमें से कुछ को बँधुआई में ले लिया और कुछ को दाख की बारियों की सेवा और किसानी करने को छोड़ दिया।

यिर्मयाह 52:17–19

यहोवा के भवन में पीतल, सोना, और चाँदी का क्या हुआ?

कसदी (बाबेलियों) इसे सब ले गए।

यिर्मयाह 52:24–25

नबूजरदान ने सपन्याह और अन्य नगर के अधिकारियों के साथ क्या किया?

उन्होंने उन्हें बंदीगृह में डाल दिया।

यिर्मयाह 52:26–27

नबूजरदान द्वारा लाए गए बँधुओं को बाबेल के राजा ने क्या किया?

उन्होंने उन्हें मार डाला।

यिर्मयाह 52:28–30

कितने यहूदी लोग बँधुआई में गए थे?

यरूशलेम से चार हजार छः सौ लोगों को बँधुआई में ले जाया गया था।

यिर्मयाह 52:31

यहूदा के राजा यहोयाकीन को बन्दीगृह से किसने निकाला?

बाबेल का राजा, एवील्मरोदक, ने उन्हें निकाला था।

यिर्मयाह 52:32–34

जब यहोयाकीन को बन्दीगृह से रिहा किया गया, तो एवील्मरोदक ने उनके साथ कैसा व्यवहार किया?

यिर्मयाह *52:32–34*

उन्होंने उससे मधुर-मधुर वचन कहकर उसे उनके सिंहासनों
से उसके सिंहासन प्रदान की। उन्होंने यहोयाकीन के बन्दीगृह
के वस्त्र बदल दिए और उसे अपनी मेज पर भोजन कराया
तथा उसके जीवन के शेष समय के लिए उसे नियमित भोजन
नित्य मिलने का प्रबन्ध किया।